दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-47 | सीहोर,शनिवार 04 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

विविध-समाचार

तमिलनाडु चुनाव के लिए भाजपा ने 27 उम्मीदवारों के नाम जारी किए; अन्नामलाई गायब, तमिलिसाई लड़ेंगी

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने शुक्रवार को अपने 27 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। हैरानी वाली बात ये है कि पार्टी ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई को टिकट नहीं दिया है, जबकि केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन और तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सौंदराजन को उतारा गया है। अन्नामलाई को टिकट न देने के पीछे अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) का विरोध बताया जा रहा है, जिसका अन्नामलाई से 36 का आंकड़ा है। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल एआईएडीएमके को 167, भाजपा को 27, पट्टाली मक्कल काची को 18, टीटीवी दिनाकरन की अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम को 11 और 11 सीटें अन्य 6 स्थानीय पार्टियों में बांटी गई है। अन्नामलाई को कवुंदमपलयम या सिंगनल्लूर से उतारने की संभावना थी। पार्टी ने दलित समाज से मुरुगन, मायलापुरम से तमिलिसाई और कोयंबटूर (उत्तर) पर वर्तमान विधायक वनथी श्रीनिवासन को उतारकर बड़ा दांव चला है। तमिलनाडु में विधानसभा की 234 सीटों के लिए एक ही चरण में चुनाव 23 अप्रैल को होंगे, जबकि पड़ोसी राज्य पुडुचेरी में 30 सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान होगा। परिणाम 4 मई को आएंगे। इस बार चुनाव में कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम अपनी वापसी का दावा कर रही है, जबकि उनके सामने एनडीए के अलावा अभिनेता से राजनेता बने थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम भी है।

आठ साल पहले बकरे के विवाद में हुई थी हत्या, कोर्ट ने एक ही परिवार के 12 लोगों को सुनाई उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोटा में एक ही परिवार के 12 लोगों को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। 8 साल पहले इन लोगों का बकरे को लेकर पड़ोसी के साथ विवाद हो गया था। विवाद सुलझाने आए 2 युवकों इस्तियाक और यशपाल पर चाकू, लकड़ी और धारदार हथियारों से हमला कर दिया था। जिसमें इस्तियाक गंभीर रूप से घायल हो गया था।इसके बाद अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तौड़ दिया। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसमें 10 पुरुष और 2 महिलाएं हैं। अतिरिक्त सेशन न्यायाधीश श्वेता शर्मा ने सभी दोषियों पर 13-13 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।वकील रियाज अहमद ने बताया कि यह मामला 31 अगस्त 2018 का है। हमले में इस्तियाक हुसैन की मौत हो गई थी। 8 साल पुराने हत्या के मामले में मुख्य आरोपी रमजानी (57), उसकी पत्नी फरजाना (43) और उनके बेटे मुख्तार (31), मुश्ताक (29) और अन्य 8 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई है, जो की एक ही परिवार के हैं।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर कराई बीएसएफ जवान नैन सिंह की हत्या, जेवर बेचकर दी थी सुपारी

मेरठ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के गांव धनपुर में नैन सिंह की हत्या उसकी ही पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर कराई थी। पति के मौसेरे भाई गुलशन के साथ उसके संबंध हो गए थे, जिसका नैन सिंह को पता चल गया था। इसी के चलते नैन सिंह को रास्ते से हटाने के लिए उसे मरवा डाला। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इंचौली थाना क्षेत्र के धनपुर गांव में बीएसएफ जवान नैन सिंह की हत्या का पुलिस ने शुक्रवार को खुलासा कर दिया। बताया कि बीएसएफ जवान की पत्नी कोमल का नैन सिंह के मौसेरे भाई गुलशन से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी के चलते नैन सिंह की हत्या की गई। कोमल ने अपने जेवर गिरवी रखकर हत्या की सुपारी दी थी। पुलिस ने हत्या में शामिल आरोपी गुलशन, राहुल उर्फ पवन, गुड्डू, मोंटू व कोमल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त तमंचा व अन्य सामान बरामद किया।

स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन और युद्धपोत आईएनएस तारागिरी भारतीय नौसेना में शामिल

-रक्षा मंत्री बोले-यह भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रतीक

विशाखापत्तनम,(आरएनएस)। सुपरसोनिक मिसाइल समेत कई अन्य अत्याधुनिक हथियारों से लैस युद्धपोत तारागिरी को भारतीय नौसेना में शामिल कर लिया गया है। इसके अलावा परमाणु बैलिस्टिक पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन को भी इंडियन नेवी में शामिल किया गया। विशाखापत्तनम में आयोजित एक समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और नौसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज अत्याधुनिक युद्धपोत तारागिरी को भारतीय नौसेना में शामिल किया जा रहा है। तारागिरी का कमीशनिंग भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रतीक है।

इस अवसर पर मैं मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड और भारतीय नौसेना सहित सभी देशवासियों को बधाई देता हूं। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा देश अपने विकास को समुद्र से अलग करके नहीं देख सकता।

हमारा लगभग 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा भी समुद्र पर निर्भर करती है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि एक मजबूत और सक्षम नौसेना हमारे लिए कोई विकल्प नहीं बल्कि एक ज़रूरत है। यह युद्धपोत मेड इन इंडिया प्रोजेक्ट के तहत तैयार किया गया है। यह 6,670 टन का मेक इन इंडिया की भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रतीक है।

होर्मुज में सिर्फ हमारे नाविक मारे गए', ईरान युद्ध पर 60 देशों की बैठक में बोला भारत

नई दिल्ली (आरएनएस)। मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के कारण ईरान के नियंत्रण में आए होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने की मांग भारत ने जोरदार तरीके से की है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ब्रिटेन द्वारा आयोजित एक बहुपक्षीय बैठक में कहा कि भारत इस संघर्ष में जलमार्ग पर अपने नागरिकों को खोने वाला एकमात्र देश है। ब्रिटेन की पहल पर आयोजित इस बैठक में 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। बैठक का मुख्य मुद्दा होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित और फ्री शिपिंग सुनिश्चित करना था, जिसकी वजह से वैश्विक तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि मिस्री ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में स्वतंत्र नौवहन के सिद्धांत पर जोर दिया।

मालदा कांड का मास्टरमाइंड बागडोगरा एयरपोर्ट से गिरफ्तार, यहीं से था भागने का प्लान

मालदा (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के मालदा स्थित कालियाचक में सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने और भीषण हिंसा भड़काने के मामले में पुलिस को एक बहुत बड़ी कामयाबी मिली है। इस पूरे खौफनाक कांड के मास्टरमाइंड माने जा रहे वकील मोफक्कारुल इस्लाम को बंगाल पुलिस ने शुक्रवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, मोफक्कारुल गिरफ्तारी से बचने के लिए राज्य छोड़कर भागने की पूरी तैयारी में था। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि वह बागडोगरा एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाला है। इसके बाद बंगाल पुलिस की टीम ने तुरंत जाल बिछाकर उसे एयरपोर्ट परिसर से ही दबोच लिया। जांच एजेंसियों का मानना है कि कालियाचक में उग्र भीड़ को भड़काने और सरकारी काम में बाधा डालने के पीछे मोफक्कारुल का ही दिमाग था। यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब आज ही नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) की टीम मालदा पहुंचकर इस मामले की जांच अपने हाथों में लेने वाली है।

आईएसएफ उम्मीदवार समेत 17 आरोपी रिमांड पर

इस संवेदनशील मामले में मालदा पुलिस ने लगातार छापेमारी करते हुए अब तक इंडियन सेकुलर फ्रंट (ISF) के उम्मीदवार मौलाना शाहजहां अली सहित 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि उनके पास इन सभी आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत मौजूद हैं। गुरुवार को इन सभी 17 आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने आगे की पूछताछ के लिए उन्हें 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

शाह ने कहा, असम में सत्ता आते ही यूसीसी लागू होगा...लेकिन आदिवासियों को बाहर रखा जाएगा

यूसीसी के लागू होते ही कोई चार शादियों नहीं कर पाएगा

गोलपाड़ा (ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के गोलपाड़ा में चुनावी सभा को संबोधित कर कहा कि राज्य में यूसीसी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद कोई चार शादी नहीं करेगा। यूसीसी में कांग्रेस आदिवासियों को डराती है कि आप पर भी यूसीसी लगेगी लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आदिवासियों को यूसीसी से बाहर रखा जाएगा।केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने गोलपाड़ा में कहा कि असम के युवा कहते हैं कि घुसपैठियों की संख्या बहुत बढ़ गई है। इतनी सारी आबादी बढ़ती है, रोका कैसे जाएं। मैं उन युवाओं से कहना चाहता हूं हम असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लाएंगे। अब कोई चार शादी नहीं कर पाएगा। यूसीसी में कांग्रेस आदिवासियों को डराती है कि आप पर भी यूसीसी लगेगी लेकिन आदिवासियों को यूसीसी से बाहर रखा जाएगा। यूसीसी किसके लिए लगाना है हमें मालूम है।केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसी आदिवासी महिला को देश का राष्ट्रपति नहीं बनाया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस नजरिये को बदल दिया ।

एयरलाइंस के आगे फिर झुकी सरकार, विमानों में 60 प्रतिशत निशुल्क सीट देने का फैसला वापस

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने पिछले महीने हवाई यात्रा करने वालों को बड़ी राहत देते हुए विमानों में अपनी पसंद की सीट चयन पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को हटा दिया था, लेकिन अब उसने यह फैसला वापस ले लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने नागरिक उड्डयन महानिदेशक को लिखे 2 अप्रैल के पत्र में कहा कि व्यापक जांच होने तक इस प्रावधान को अगले आदेश तक स्थगित रखा जाएगा।मंत्रालय ने कहा कि उसने यह फैसला फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) और अकासा एयर की आपत्तियों के बाद लिया है। उन्होंने किराया संरचना पर नियम के प्रभाव और अनियंत्रित किराया व्यवस्था के साथ इसकी असंगति पर सवाल उठाए थे। एफआईए ने 19 मार्च को पत्र लिखकर चेतावनी दी कि एयरलाइंस किराए में वृद्धि करके अतिरिक्त आय की भरपाई कर लेंगी। एफआईए ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले का हवाला देकर आदेश को डीजीसीए अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया। मंत्रालय ने 17 मार्च को आदेश जारी कर सभी एयरलाइन संचालकों को कहा था कि किसी भी उड़ान में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें निशुल्क चयन के लिए आवंटित की जाएं। इसके बाद पसंद की सीटों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद के. सी. वेणुगोपाल और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ केरल विधानसभा चुनावों से पहले एक बैठक के दौरान।

दर्दनाक सड़क हादसे में 2 युवकों की मौत, खाई में जा गिरी तेज रफ्तार कार

बड़वानी (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के पाटी थाना क्षेत्र के गोलगांव में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बिलियापानी घाट पर बड़वानी से सेमलेट जा रही एक इको वाहन गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, वाहन चालक को नींद आने के कारण गाड़ी अनियंत्रित होकर करीब 600 मीटर गहरी खाई में जा गिरी।

हादसे में सकरीया पिता रजान की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि वाहन चालक इकराम पिता रुलसिंग ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक, सेमलेट गांव के चार युवक रात में एक गंभीर बीमार व्यक्ति को इलाज के लिए पाटी लाए थे।

तानाशाही को मिला 'लोकतंत्र' का मुखौटा, म्यांमार में तख्तापलट करने वाले जनरल इंग अब बने राष्ट्रपति

नेपीडॉ (ए.)। म्यांमार में सैन्य शासन ने सत्ता पर अपनी पकड़ को और अधिक मजबूत करते हुए इसे एक औपचारिक और संवैधानिक रूप दे दिया है। साल 2021 में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार का तख्तापलट करने वाले सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग अब आधिकारिक तौर पर म्यांमार के नए राष्ट्रपति बन गए हैं। शुक्रवार को सैन्य-समर्थित संसद में हुए एक एकतरफा मतदान में उन्होंने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। इस जीत के साथ ही देश की कमान अब पूरी तरह और कानूनी तौर पर उनके हाथों में आ गई है, जिसे जानकारों द्वारा तानाशाही को लोकतंत्र के चोले में छिपाने की एक कोशिश माना जा रहा है।69 वर्षीय मिन आंग ह्लाइंग की यह जीत पहले से ही तय मानी जा रही थी, क्योंकि म्यांमार की वर्तमान संसद में पूरी तरह सेना का वर्चस्व है। कुल 584 मतों में से उन्हें 293 वोट मिले, जो जीत के लिए जरूरी जादुई आंकड़े से अधिक थे।

सीमा हैदर ने अपने छठवें बच्चे का नाम भारत रखा, महिलाओं के साथ किया कुंआ पूजन

नोएडा (ए.)। पाकिस्तान से भारत आईं सीमा हैदर ने अपने बेटे का नाम 'भारत' रख दिया है। गुरुवार को रबूपुरा स्थित घर पर बेटे का नामकरण हुआ। नामकरण संस्कार के पहले सीमा ने कुंआ पूजन किया। डीजे की धुन पर नाचती-गाती मोहल्ले की महिलाएं पूजन करने निकली।घर पर भी संगीत समारोह का आयोजन हुआ। इसके पहले रात में माता के जागरण का आयोजन किया गया था। सीमा ने कहा कि हिंदू धर्म बहुत खूबसूरत है। वे बहुत खुश हैं। उन्हें हिंदू होने पर गर्व है।सीमा हैदर ने कहा कि मैं क्रिकेट मैच में भारत को सपोर्ट करती हूं। भारत जब मैच जीतता है, तब मुझे खुशी होती है। मैच के दौरान भगवान से प्रार्थना करती हूं कि भारत की ही जीत हो। भारत के लोग बहुत ही अच्छे हैं। वापस पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। हर समाज के लोग रबूपुरा में रहते हैं। मुझे प्यार करते हैं, सम्मान देते हैं। मुझे अपनी बहू मानते हैं।दरअसल, सीमा हैदर के छठवें बच्चे का नामकरण संस्कार हुआ। उन्होंने 18 फरवरी 2026 को नोएडा के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। इससे पहले एक बेटी को भी जन्म दिया था।

ईरान से 6 लाख बैरल तेल लेकर आ रहा पिंग शुन जहाज अचानक चीन की तरफ मुड़ा

-अभी तक साफ नहीं है किस भारतीय रिफाइनरी ने यह कार्गो खरीदा था

नई दिल्ली,(ए.)। ईरान से करीब 600,000 बैरल कच्चे तेल की खेप लेकर आ रहा जहाज अचानक चीन की तरफ मुड़ गया। ये जहाज गुरुवार रात तक अरब सागर में भारत के रास्ते पर था लेकिन अब ये चीन की तरफ मुड़ गया है। इस जहाज का नाम पिंग शुन है और इसके गुजरात के वाडिनार बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद थी। तेल बाजार पर नजर रखने वाली एजेंसी ने इस कच्चे तेल के जहाज के भारत से चीन की तरफ रास्ता बदलने की पुष्टि की है।वैश्विक व्यापार डेटा इंटेलिजेंस में रिफाइनरी और तेल बाजारों की मॉडलिंग के मैनेजर ने शुक्रवार को बताया है कि एक ईरानी कच्चे तेल का जहाज पिंग शुन जो पिछले तीन दिनों से भारत के वाडिनार की तरफ जा रहा था उसने अपने मंजिल के करीब पहुंचने से ठीक पहले अपना रास्ता बदल लिया और चीन की तरफ मुड़ गया। उन्होंने बाजार के सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि चीन की तरफ जहाज के मुड़ने के पीछे ईरानी तेल को लेकर पेमेंट की शर्तों में आया बदलाव है। अब विक्रेता 30-60 दिनों की क्रेडिट विंडो देने के बजाय पहले से ही पेमेंट की मांग कर रहे हैं यानि एडवांस पेमेंट के बाद ही तेल का खेप भेजने की बात हो रही है।उन्होंने कहा कि हालांकि ईरानी कच्चे तेल के मामले में सफर के बीच में मंजिल में इस तरह के बदलाव होना कोई नई बात नहीं है लेकिन ये इस बात को उजागर करते हैं कि व्यापार के प्रवाह के लिए वित्तीय शर्तें और काउंटरपार्टी जोखिम कितने ज्यादा संवेदनशील होते जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अभी तक साफ नहीं है कि किस भारतीय रिफाइनरी ने यह कार्गो खरीदा था क्योंकि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, नायरा एनर्जी और भारत पेट्रोलियम जैसी कई रिफाइनरियां वाडिनार के जरिए ही कच्चा तेल मंगाती हैं।

उन्होंने संकेत दिया है कि अगर पेमेंट से जुड़ी समस्याएं हल हो जाती हैं तो कार्गो को अभी भी वापस भारत भेजा जा सकता है, लेकिन यह घटना इस बात पर जोर देती है कि चीन के अलावा दूसरे देशों में ईरानी कच्चे तेल की सप्लाई तय करने में लॉजिस्टिक्स की तरह ही कमर्शियल शर्तें भी कितनी अहम होती जा रही हैं।

हत्या के पांच दिन बाद दामाद ने दिखाया सास का कटा सिर

जलपाईगुड़(आरएनएस)। जिले में दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक दामाद ने अपनी ही सास की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने शुक्रवार को कटा सिर और हथियार बरामद कर लिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बीते शनिवार बहादुर ग्राम पंचायत के बानिज्येर हाट इलाके से समीजा खातून नाम की एक वृद्ध महिला का सिर कटा शव बरामद हुआ था। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी।

संक्षिप्त समाचार

राजेंद्र भारती मामला पूरी तरह न्यायिक, भाजपा का कोई हस्तक्षेप नहीं : हेमंत खण्डेलवाल

भोपाल, (निप्र.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शुक्रवार को कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता समाप्त होने के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया कि यह विषय पूरी तरह न्यायिक प्रक्रिया से जुड़ा है और इसमें किसी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है।उन्होंने कहा कि दस्तावेजों में कथित हेरफेर से जुड़े इस प्रकरण में न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर निर्णय दिया है, जिसका सम्मान करना सभी नागरिकों और राजनीतिक दलों का दायित्व है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सदस्यता समाप्ति या उपचुनाव जैसे निर्णय संवैधानिक संस्थाओं—विशेष रूप से विधानसभा और निर्वाचन आयोग—के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। खण्डेलवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मामले को अनावश्यक रूप से राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रही है, जबकि भाजपा का इससे कोई संबंध नहीं है।प्रदेश अध्यक्ष ने किसानों से जुड़े मुद्दों पर कहा कि राज्य सरकार उनके हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण बारदाना (बोरी) की कमी से खरीदी प्रक्रिया प्रभावित हुई है, लेकिन अब जल्द ही समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू की जाएगी। उन्होंने किसानों से धैर्य रखने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया कि उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित किया जाएगा और सरकार इस दिशा में सभी आवश्यक कदम उठा रही है। हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा एक अनुशासित और संगठित राजनीतिक दल है, जहां संगठन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। विभिन्न मोर्चों, प्रकोष्ठों, एल्डरमैन और जनभागीदारी संस्थाओं में नियुक्तियों की प्रक्रिया जारी है, जिसे जल्द ही पूर्ण किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान से मजबूत होगा जिले का जल आधार

भोपाल (ए.)। जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन एवं सतत विकास को सुदृढ़ आधार प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अभियान चलाया जा रहा है। 19 मार्च से शुरू हुआ यह अभियान 30 जून 2026 तक चलेगा। प्रदेश सरकार द्वारा चलाया जा रहा यह महाअभियान केवल प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य के समग्र विकास, ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण जन-अभियान के रूप में चल रहा है। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने बताया कि भोपाल जिले में इस वर्ष अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-वाटरशेड विकास के कार्यों को भी शामिल किया गया है। वाटरशेड विकास 2.0 के अंतर्गत 945 खेत-तालाब, 1200 डगवेल रिचार्ज कार्य, 5 अमृत सरोबर, 60 स्टॉप डैम, 250 प्याऊ के साथ बैरसिया की बयान नदी पुर्नजीर्वित हेतु विस्तृत कार्य चेक डैम, तालाब, रिचार्ज शाफ्ट तथा कुऐं एवं प्राचीन अन्य जल संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। इन कार्यों के माध्यम से वर्षा जल का अधिकतम संचयन, भू-जल पुनर्भरण, मृदा संरक्षण एवं जल उपलब्धता में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित की जाएगी। इससे किसानों को सिंचाई सुविधा में विस्तार एवं कृषि उत्पादन में वृद्धि का प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो सकेगा। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-वाटरशेड विकास 1.0 के अंतर्गत पूर्व में निर्मित स्टॉप डैम एवं चेक डैम की मरम्मत एवं नवीनीकरण के कार्य भी किए जाएंगे। इससे न केवल इन संरचनाओं की कार्यक्षमता पुनर्स्थापित होगी, बल्कि जल संरक्षण के पूर्व प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता एवं सतत निगरानी के लिए आधुनिक तकनीकी का उपयोग किया जाएगा। वाटरशेड विकास 2.0 के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की निगरानी WMS पोर्टल के माध्यम से की जाएगी, जिससे कार्यों की वास्तविक समय पर प्रगति का आंकलन संभव हो सकेगा। वाटरशेड विकास 1.0 के कार्यों का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर से कर उन्हें मनरेगा पोर्टल से जोड़ा गया है। इससे उनके अनुश्रवण, गुणवत्ता नियंत्रण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

भाजपा का लक्ष्य सत्ता नहीं, राष्ट्र सेवा और समग्र विकास : अजय जामवाल

भोपाल/बड़वानी, (निप्र.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने शुक्रवार को बड़वानी जिले के खेतिया, पानसेमल और सेंधवा मंडलों में आयोजित प्रशिक्षण वर्गों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज की सेवा है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य समाज के हर वर्ग का समग्र विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने भारत माता की जय के उद्घोष को भाजपा की पहचान बताते हुए कहा कि यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है। भारत हमारी भूमि है, माता हमारी संस्कृति है और जय जनता की शक्ति का प्रतीक है। यह उद्घोष हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करता है, उन्होंने कहा।अजय जामवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की वास्तविक ताकत उसकी प्राथमिक इकाई-बूथ में निहित है। बूथ सबसे मजबूत के मंत्र को साकार करना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता बूथ स्तर पर जाकर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क करें और उन्हें पार्टी की विचारधारा से जोड़ें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं के कौशल विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं, जो उन्हें संगठनात्मक रूप से मजबूत बनाते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करते हैं।

राजनीति सेवा का माध्यम, केवल सत्ता का नहीं

जामवाल ने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाने के लिए निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। पार्टी की सफलता केवल चुनावी जीत तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी मजबूत विचारधारा, समर्पित कार्यकर्ता और सतत प्रशिक्षण उसकी असली शक्ति हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को वर्ष 2047 तक विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि समर्पण, मेहनत और ईमानदारी के साथ कार्य करने पर कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता।

भोपाल बनेगा 'मिनी मुंबई'!

– 12 हजार किमी में फैलेगा मेट्रोपॉलिटन रीजन, 2500 गांव होंगे स्मार्ट

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से सटे 5 जिलों को मिलाकर मेट्रोपॉलिटन रीजन बनाने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस कड़ी में अब भोपाल के आस-पास के 2523 गांव को भी इस रीजन में शामिल किया जाएगा। जिससे इन गांव को शहरों की जैसा डेवलप किया जाएगा। इसके लिए अगले 10 महीने में डीपीआर तैयार किया जाएगा। अगर भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन के एरिया की बात करें तो यह 12 हजार वर्गकिमी में फैला रहेगा, जो देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के 6300 वर्गकिमी एरिया से दोगुना है। इस रिपोर्ट में देखिए कैसे विकसित होगा भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन।मुंबई से बड़े इलाके में होगा भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन का विस्तार!भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन देश की आर्थिक मुंबई से भी बड़े इलाके में डेवलप किया जा रहा है। जिसमें राजधानी भोपाल और इसके पड़ोसी जिले रायसेन, सीहोर, विदिशा, राजगढ़ की कुल 12 हजार वर्गकिमी जमीन पर मेट्रोपॉलिटन रीजन का विस्तार किया जाएगा। अगर क्षेत्रफल की बात करें तो भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन का एरिया 12,099 वर्गकिमी में फैला रहेगा तो वहीं मुंबई मेट्रोपॉलिटन सिटी 6,300 वर्गकिमी में फैला रहेगा। भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन का 2523 गांव भी हिस्सा बनेंगे। जिसके बाद भोपाल और इससे सटे 5 जिलों में गांव को शहरों की तर्ज पर डेवलप किया जाएगा। इसके साथ ही यहां टूरिज्म और हाईवे कनेक्टिविटी पर जोर दिया जा रहा है। मेट्रोपॉलिटन रीजन प्रोजेक्ट की मुख्य एजेंसी भोपाल विकास प्राधिकरण लगातार सर्वे कर रही है।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध हथियारों की तस्करी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

विगत तीन सप्ताह में 52 अवैध हथियार जब्त

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस अवैध हथियारों की तस्करी एवं अपराध नियंत्रण के विरुद्ध प्रदेशभर में लगातार सख्त और प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी कार्यवाही के तहत विगत तीन सप्ताह के दौरान विभिन्न जिलों से 52 अवैध हथियार जब्त कर तस्करों को गिरफ्तार किया है।

प्रमुख कार्यवाही

इंदौर

जिले के द्वारकापुरी थाना क्षेत्र से पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (टेलीग्राम एवं इंस्टाग्राम) के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क स्थापित कर अवैध हथियारों की आपूर्ति करने वाले एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 06 देशी पिस्टल एवं 04 जिंदा कारतूस बरामद किए है।

वहीं, इंदौर ग्रामीण के थाना मानपुर में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 04 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 पिस्टल जब्त की है। इस प्रकार इन दोनों कार्रवाइयों में पुलिस ने कुल 16 अवैध हथियार जप्त किये है।

खरगोन

जिले में थाना गोगावां पुलिस ने अंतर्राज्यीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा के आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 देशी

पिस्टल एवं 05 देशी कट्टे (कुल 15 अवैध हथियार) तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की।

इसके अलावा थाना गोगावां एवं थाना भीकनगाँव पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 08 देशी पिस्टल एवं 02 मोटरसाइकिल जब्त की हैं। इस प्रकार खरगोन जिले में कुल 23 अवैध हथियार जब्त किए गए हैं।

बड़वानी

थाना निवाली में पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक अवैध हथियार तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 07 देशी पिस्टल की है।

जबलपुर

जिले में क्राइम ब्रांच एवं थाना पाटन पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों के कारोबार में लिप्त 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 04 देशी पिस्टल, 08 कारतूस, 03 मोबाइल फोन एवं एक कार जब्त की है। आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

बुरहानपुर

थाना खकनार में अंतर्राज्यीय अवैध हथियार तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए पंजाब के 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 02 हस्तनिर्मित पिस्टल जब्त की हैं। इन सभी कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश पुलिस अवैध हथियारों की तस्करी के विरुद्ध सतत सतर्कता एवं दृढ़ता के साथ कार्य कर रही है। पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के चलते अपराधियों के विरुद्ध कठोर कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. श्री गुरकीरत सिंह मनोचा के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन प्रवास के दौरान स्व. श्री गुरकीरत सिंह मनोचा के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विगत दिवस कनाडा में दुखद दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासन प्रदेशवासियों के सुख-दुख में साथ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार और मध्यप्रदेश शासन के प्रयासों से स्व. श्री मनोचा का पार्थिव शरीर कनाडा से भारत लाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा श्री महाकाल से स्व. श्री मनोचा परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने भी स्व. श्री मनोचा को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का उज्जैन आगमन पर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की तैयारी पूरी, 78 लाख मीट्रिक टन है उपार्जन का लक्ष्य : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल (ए.)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि प्रदेश में गेहूं उपार्जन के लिये इस वर्ष रिकॉर्ड 19 लाख 4 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 लाख 60 हजार अधिक है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार के रूप में किसानों को बेहतर लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से किसानों को इस वर्ष 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य के साथ ही 40 रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस दिया जा रहा है। इससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा।

3056 एलपीजी सिलेण्डर जब्त और 9 मामलों में एफआईआर की गई दर्ज

भोपाल(आरएनएस)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने जानकारी दी है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, पीएनजी और सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सप्लाई में किसी प्रकार की रुकावट नहीं है। मंत्री श्री राजपूत ने अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा घबराहट में खरीदारी (पैनिक बाइंग) से बचें।

कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई

प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक 2250 स्थानों पर जांच की गई है, जिसमें 3056 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं और 9 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके अलावा 564 पेट्रोल पंपों की जांच भी की गई, जिनमें 2 मामलों में प्रकरण दर्ज कर एफआईआर दर्ज की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारियों और ऑयल कंपनियों के अधिकारियों को पेट्रोल पंपों की नियमित जांच के निर्देश दिए गए हैं।घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के अनुरूप सिलेंडरों की आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है।

दमोह के डायल-112 हीरोज

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 03 व्यक्तियों को पहुँचाया अस्पताल

भोपाल(आरएनएस)। दमोह जिले के थाना हटा क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्पर एवं संवेदनशील कार्रवाई से दो मोटर साइकिल की टक्कर में गंभीर रूप से घायल तीन व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। इस त्वरित कार्रवाई से घायलों को शीघ्र चिकित्सकीय सहायता मिल सकी।दिनांक 02 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना हटा क्षेत्र अंतर्गत सेमरी फतेहपुर के पास दो मोटर साइकिल की आपसी टक्कर में 03 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं एवं तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही हटा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।मौके पर पहुँचकर डायल-112 स्टाफ आरक्षक देवेन्द्र आठिया एवं पायलट श्री श्रीराम पटेल ने दुर्घटना में घायल तीनों व्यक्तियों को तत्काल सहायता प्रदान करते हुए त्वरित राहत कार्य प्रारंभ किया गया।डायल-112 जवानों ने सभी घायलों को एफआरव्ही वाहन की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हटा पहुँचाया, जहाँ उनका उपचार किया जा रहा है। डायल-112 की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका। डायल-112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा आपात परिस्थितियों में आमजन की सहायता हेतु सदैव सजग, संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है।

लोकतंत्र पर हमला, किसान संकट और प्रशासनिक विफलता के खिलाफ कांग्रेस का आंदोलन : जीतू पटवारी

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दतिया विधानसभा प्रकरण, प्रदेश के किसानों की बदहाल स्थिति और सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश और देश में लोकतंत्र की बुनियाद, जनता का विश्वास लगातार कमजोर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया और भारत के चुनाव आयोग पर जनता का घटता भरोसा लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत है।जीतू पटवारी ने शुक्रवार को अपने बयान में आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को न्याय के लिए 60 दिनों का समय दिए जाने के बावजूद, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने आधी रात को विधानसभा सचिवालय खुलवाकर उनकी सदस्यता समाप्त कर दी। उन्होंने इसे सत्ता के दबाव

में लिया गया फैसला बताते हुए लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि एक ओर नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ पेड न्यूज का मामला लंबित है, लेकिन उस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, यह सरकार के दोहरे मापदंड को दर्शाता है। किसानों की स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि प्रदेश में किसान कल्याण वर्ष वास्तव में किसान शोषण वर्ष बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद की कमी के चलते किसानों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा, जहां महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, लाठीचार्ज और कई बुजुर्ग किसानों की मौत तक की घटनाएं सामने आईं, जबकि सरकार लगातार कमी से इनकार करती रही। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों के लिए निर्धारित 50 प्रतिशत बजट खर्च ही नहीं किया गया, जो सरकार की नीयत पर सवाल खड़े करता है। पटवारी ने गेहूं खरीदी में देरी और बारदाने की भारी कमी को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में लगभग 10 करोड़ बारदाने की आवश्यकता थी, लेकिन सरकार ने केवल 2.60 करोड़ का ही आवेदन किया, जिससे करीब 7.5 करोड़ बारदाने की कमी उत्पन्न हुई।

जीवन में अंधकार से मुक्ति दिलाती है शिक्षा : राज्यमंत्री श्री पंवार

भोपाल (ए.)। मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार ने गुरुवार को राजगढ़ जिले के ब्यावरा में 'प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 2026' का शुभारंभ किया। 'स्कूल चलें हम' अभियान के अंतर्गत शासकीय बालक हाई-स्कूल में आयोजित कार्यक्रम विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल और पाठ्य-पुस्तकें वितरित की गईं। राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि शिक्षा जीवन का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में बीते 2 वर्षों में शिक्षा की गुणवत्ता और मूलभूत सुविधाएं लगातार बेहतर हो रही हैं। जिससे अभिभावकों का विश्वास शासकीय विद्यालयों के प्रति बढ़ा है और नामांकन में भी लगभग 32.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में हमारा संकल्प है कि वर्ष 2047 तक हम विश्व की अग्रणी शक्ति के रूप में स्थापित हों। इसमें हमारे विद्यार्थियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। ज्ञान, नवाचार और संस्कारों के बल पर हमारे युवा देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

विश्व काल-गणना के केंद्र के रूप में उज्जैन की भूमिका पर हुई वैश्विक चर्चा

भारतीय काल-गणना और समय की वैज्ञानिकता पर हुआ मंथन

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महाकाल की पावन धरा उज्जैन में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन महाकाल : द मास्टर ऑफ टाइम हुआ। देश-विदेश के प्रख्यात खगोलविदों, वैज्ञानिकों और शीर्षस्थ विद्वानों ने भारतीय काल-गणना की वैज्ञानिकता और उसकी प्राचीन श्रेष्ठता पर गहन मंथन किया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य उज्जैन की गौरवशाली पहचान को वैश्विक पटल पर पुन: स्थापित करना है। उज्जैन नगरी युगों तक विश्व के प्रधान मध्याह्न रेखा (प्राइम मेरिडियन) और काल-गणना का केंद्र रही है। विद्वानों ने एक स्वर में यह आह्वान किया कि अब समय आ गया है जब हम समय की वैश्विक अवधारणा के भारतीयकरण की ओर बढ़ें और अपनी उस वैज्ञानिक विरासत को जीवंत करें, जो सदियों तक मानवता के लिए समय का बोध कराती रही है। सम्मेलन के प्रथम सत्र का मुख्य विषय समय क्या है? इसका मापन कैसे हुआ तथा प्रधान मध्यान्ह (मेरेडियन) रेखा के रूप में उज्जैन का महत्व रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उज्जैन के श्री बालाजी श्याम सरकार मंदिर में सम्मान

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का शुक्रवार को उज्जैन प्रवास के दौरान श्री बालाजी श्याम सरकार मंदिर में सम्मान किया गया। इस अवसर पर अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। बालाजी श्याम सरकार मंदिर में महंत श्री मनीष पारिख ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अंगवस्त्रम से सम्मान किया। प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान हनुमान जी, श्री खाटू श्याम जी और देवी दुर्गा मां के दर्शन कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश और देश के नागरिकों के कल्याण की कामना की।

भोपाल रेल मंडल के लिए 2025-26 सत्र उपलब्धियों से भरा रहा

यात्री सेवा, माल व्यवसाय, सुरक्षा, संरक्षा, यात्री सुविधा तथा अधोसरंचना विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व, यात्री सेवाओं, माल परिवहन एवं डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। मंडल का प्रदर्शन सभी प्रमुख क्षेत्रों में वृद्धि दर्शाता है, जो प्रभावी प्रबंधन एवं सतत निगरानी का परिणाम है। डीआरएम पंकज त्यागी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वर्ष के दौरान आय, यात्री सेवा, माल व्यवसाय, सुरक्षा, संरक्षा, यात्री सुविधा तथा अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

नई ट्रेनों का शुभारंभ

त्रिसाप्ताहिक भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात

साप्ताहिक भोपाल-चोपन एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात

ट्रेनों के ठहराव

भोपाल मंडल विभिन्न 10 स्टेशनों पर 16 ट्रेनों का ठहराव प्रदान किया गया।

आधुनिक एलएचबी कोच परिवर्तन

भोपाल मंडल की भोपाल-खुजराहो महामना एवं रानी कमलापति-आधारताल एक्सप्रेस को एलएचबी रैक में परिवर्तन किया गया।

स्पेशल ट्रेनों का संचालन

कुल 8923 विशेष ट्रेनों का भोपाल मंडल से / होकर चलायी गयी।

टिकट चेकिंग अभियान

इस वित्तीय वर्ष में 87 टिकट चेकिंग अभियान चलाकर 7211 मामलें से 42.80 लाख रेल राजस्व अर्जित हुआ।

माल परिवहन में शानदार उपलब्धि

माल राजस्व के क्षेत्र में भोपाल मंडल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए:

कुल 896.38 करोड़ की आय अर्जित की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.99 प्रतिशत अधिक है।

माल ढुलाई (टन भार) में 4.03 प्रतिशत वृद्धि तथा वैगनों के उपयोग में 5.42त्न वृद्धि दर्ज की गई।

यात्री सेवाओं में निरंतर वृद्धि

कुल 414.80 लाख यात्रियों ने यात्रा की, जो पिछले वर्ष से 6.62 प्रतिशत अधिक है। यात्री राजस्व 1013.78 करोड़ रहा, जिसमें 6.50 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। अनारक्षित टिकट आय में 12.32 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

टिकट चेकिंग में प्रभावी कार्यवाही

टिकट चेकिंग से 39.18 करोड़ का राजस्व अर्जित किया गया, जो पिछले वर्ष से 4.31 प्रतिशत अधिक है।

अन्य कोचिंग आय में वृद्धि

लगेज आय में 20.66 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। विशेष ट्रेनों से आय में 25.38प्रतिशत वृद्धि हुई। कुल अन्य कोचिंग आय में 2.79 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

790 ग्राम के अति कमजोर नवजात को डॉक्टरों ने दी नई जिंदगी, 70 दिन बाद एसएनसीयू से मिली छुट्टी

शहडोल(ए.)। शहडोल जिले के जिला चिकित्सालय स्थित एसएनसीयू में डॉक्टरों की मेहनत और सतत देखरेख से मात्र 790 ग्राम वजन वाले अति कमजोर और समय से पूर्व जन्मे नवजात शिशु को नई जिंदगी मिली है। करीब 70 दिन तक चले उपचार के बाद नवजात को स्वस्थ होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जिससे परिजनों और अस्पताल स्टाफ में खुशी का माहौल है। जानकारी के अनुसार ग्राम धोलको कोठार, तहसील ब्यौहारी निवासी रोशनी यादव पति अखिलेश यादव की अचानक घर पर ही समय से पहले डिलीवरी हो गई। नवजात का जन्म मात्र लगभग 6 माह में ही हो गया था और उसका वजन सिर्फ 790 ग्राम था। शिशु अत्यंत कमजोर और गंभीर स्थिति में था।

शिवपुरी में दर्दनाक हादसा: हाईटेंशन लाइन की चपेट में ट्रैक्टर-ट्रॉली, महिला और मासूम जिंदा जले; दो झुलसे

शिवपुरी (ए.)। शिवपुरी जिले के कोलारस क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया, जब भूसा लेने जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गई। इस दर्दनाक घटना में एक महिला और सात वर्षीय मासूम जिंदा जल गए, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजस्थान के बारां जिले के खेड़ली गांव का एक बंजारा परिवार हर साल की तरह इस बार भी कोलारस क्षेत्र में भूसा खरीदने आया था। ये लोग खेतों के आसपास अस्थायी डेरा डालकर गांव-गांव घूमते हुए भूसा खरीदते हैं और बाद में उसे बेचकर अपनी आजीविका चलाते हैं। शुक्रवार सुबह यह परिवार टोल टैक्स के पास स्थित अपने डेरे से दो ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भूसा खरीदने निकला था। आगे चल रहा ट्रैक्टर देहरदा गांव से कच्चे रास्ते होते हुए डोडयाई की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान ट्रॉली में लगे लंबे लोहे के पाइप अचानक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन से टकरा गए। टकराते ही तेज करंट पूरे वाहन में फैल गया और ट्रैक्टर पर सवार लोग उसकी चपेट में आ गए।

हादसे में लीला बाई बंजारा (30) की साड़ी में करंट लगते ही आग लग गई और वह मौके पर ही गंभीर रूप से झुलस गईं। उनके साथ मौजूद 7 वर्षीय अनिल भी आग की चपेट में आ गया। दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं ट्रैक्टर चला रहे विनोद बंजारा (27) और केसर बाई करंट लगते ही दूर जा गिरे, जिससे उनकी जान तो बच गई, लेकिन वे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

घटना के पीछे चल रहे दूसरे ट्रैक्टर के लोगों ने तुरंत मदद के प्रयास किए। उन्होंने घायलों को ट्रॉली में डालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मासूम अनिल को मृत घोषित कर दिया। विनोद और केसर बाई का उपचार जारी है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि ट्रॉली में अधिक मात्रा में भूसा भरने के लिए करीब 10-10 फीट लंबे लोहे के पाइप लगाए गए थे, जो हादसे का प्रमुख कारण बने। वहीं घटनास्थल पर हाईटेंशन लाइन के तार भी नीचे की ओर झूल रहे थे और आसपास पेड़ों के कारण स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहे थे। इसी वजह से पाइप सीधे तारों से टकरा गए और करंट फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बेमौसम बारिश का कहर: बुरहानपुर में मजदूर-किसानों की कमर टूटी, हजारों ईंटें गलकर हुईं खराब; लाखों का नुकसान

बुरहानपुर (ए.)। बुरहानपुर में बेमौसम बारिश ने एक बार फिर मेहनतकश मजदूरों और किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। जिले में अचानक बदले मौसम ने राहत के बजाय तबाही का मंजर खड़ा कर दिया। तेज आंधी और बारिश ने ईंट भट्टों पर तैयार हो रही कच्ची ईंटों को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। जिन ईंटों को बनाने में मजदूरों ने दिन-रात पसीना बहाया, वो एक ही बारिश में मिट्टी में मिल गईं। सबसे ज्यादा मार पड़ी है प्रजापति समाज के उन मजदूर परिवारों पर, जो रोज सुबह 3 बजे उठकर कड़ी मेहनत से ईंट तैयार करते हैं। ईंटों को धूप में सुखाने के लिए रखा गया था, लेकिन अचानक आई बारिश ने हजारों ईंटों को गलाकर बेकार कर दिया। हालात ये हैं कि भट्टों पर जगह-जगह टूटी और बिखरी ईंटें नजर आ रही हैंज और मजदूरों की आंखों में बेबसी साफ झलक रही है।

पीड़ित मजदूर किरण प्रजापति का कहना है कि हम रोज सुबह 3 बजे उठकर मेहनत करते हैं, लेकिन इस बारिश ने सब कुछ बर्बाद कर दिया। हजारों ईंट खराब हो गईं।लाखों का नुकसान हो गया। अब समझ नहीं आ रहा क्या करें। सिर्फ ईंट भट्टे ही नहीं, बल्कि खेतों में खड़ी फसलें भी इस बेमौसम बारिश की चपेट में आ गई हैं। किसानों की उम्मीदें भीग चुकी हैं और उनके सामने अब आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

मजदूर और किसान अब आसमान की ओर टकटकी लगाए देख रहे हैं, मानो भगवान से ही मदद की गुहार लगा रहे हों। बेमौसम बारिश ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि प्रकृति के आगे इंसान कितना बेबस है। अब बड़ा सवाल ये है कि प्रशासन और सरकार इन पीड़ित मजदूरों और किसानों की मदद के लिए क्या ठोस कदम उठाएगी या फिर ये मेहनतकश यूं ही नुकसान झेलते रहेंगे ?

खेत में गुलाब तोड़ने जा रहा था युवक, तेंदुए ने किया हमला, एमवाय अस्पताल में भर्ती

इंदौर (ए.)। इंदौर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में तेंदुए की आवाजाही और हमलों के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामला सुल्लाखेड़ी गांव का है। यहां रहने वाले अर्जुन पिता मांगीलाल शुक्रवार सुबह 9 बजे अपने खेत में गुलाब के फूल तोड़ रहे थे। तभी अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया, जिसमें अर्जुन के एक हाथ और चेहरे पर नाखूनों के निशान लग गए।

अर्जुन ने जोर-जोर से मदद के लिए चिल्लाना शुरू कर दिया। इस बीच खेत में काम कर रहे परिवार के लोग और आसपास के खेतों के किसान उसे बचाने पहुंचे। यह देख तेंदुआ भाग गया। इसके बाद किसान प्रहलाद रघुवंशी अर्जुन को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल लाए, जहां उसे भर्ती किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पहले भी तेंदुआ देखा जा चुका है। इससे पहले इंदौर बायपास की एक टाउनशिप में भी तेंदुआ देखा गया था।

इंदौर के एमवाय अस्पताल में खरगोन से एक युवक को सर्जरी के लिए लाया गया। काम के दौरान

उसके गले में 12 एमएम का सरिया घुस गया था और वह गले के आर-पार हो गया था। सरिया मस्तिष्क और ऑक्सीजन सप्लाई करने वाली नस के बेहद करीब घुसा था।

एमवाय अस्पताल के डॉक्टरों ने तीन घंटे की सर्जरी कर 30 वर्षीय सद्दाम की जान बचा ली। सर्जरी इसलिए काफी जटिल थी कि यदि ऑपरेशन के दौरान किसी भी हिस्से को नुकसान पहुंचता तो मरीज लकवे का शिकार हो सकता था, लेकिन सावधानीपूर्वक सरिया निकाल लिया गया। अब मरीज की हालत खतरे से बाहर है।

वैशाख एवं ज्येष्ठ माह में महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकालेश्वर पर गलंतिका से सतत जलाभिषेक प्रारंभ

उज्जैन, (ए.)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में परंपरानुसार 03 अप्रैल (वैशाख कृष्ण प्रतिपदा) से 29 जून (ज्येष्ठ पूर्णिमा) तक भगवान श्री महाकालेश्वर जी पर 11 मिट्टी के कलशों के माध्यम से सतत जलधारा हेतु गलंतिका लगाई गईइन कलशों में गंगा, सिंधु, सरस्वती, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी, सरयू, क्षिप्रा एवं गण्डकी जैसी पवित्र नदियों का स्मरण, आव्हान एवं ध्यान मंत्रों के साथ जल स्थापित कर भगवान श्री महाकालेश्वर पर निरंतर शीतल जलधारा अर्पण प्रारंभ हुआ यह अभिषेक प्रतिदिन प्रात: भस्मारती के पश्चात प्रारंभ होकर सायंकालीन पूजन तक जारी रहेगा।

व्यापार समाचार

इंडियन ऑयल बोली देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं, हर रोज 28 लाख सिलिंडर की हो रही डिलिवरी

नई दिल्ली ()। वैश्विक ऊर्जा बाजार में भू-राजनीतिक तनाव के बीच भी देश में रसोई गैस (LPG) की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और पर्याप्त बनी हुई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

रोजाना कितने सिलिंडरों की हो रही डिलिवरी?

कंपनी के अनुसार, फिलहाल रोजाना करीब 28 लाख एलपीजी सिलिंडर की डिलिवरी की जा रही है, जो हालिया वैश्विक तनाव से पहले के सामान्य स्तर के बराबर है। इंडियन ऑयल ने बताया कि एलपीजी आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है ताकि देशभर में किसी भी तरह की कमी न हो।

डिजिटल माध्यम से कितनी हो रही बुकिंग?

कंपनी ने उपभोक्ताओं को एसएमएस और आईवीआरएस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए बुकिंग करने के लिए प्रोत्साहित किया है। वर्तमान में लगभग 87% बुकिंग डिजिटल माध्यम से हो रही हैं। साथ ही, डिलीवरी की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए डीएसी ओटीपी (डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड) प्रणाली लागू की गई है।

कालाबाजारी और जमाखोरी के खिलाफ हो रही कार्रवाई

इंडियन ऑयल ने यह भी बताया कि कुछ एलपीजी वितरकों द्वारा कालाबाजारी और जमाखोरी जैसी शिकायतें सामने आई हैं।

इसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए अब तक 7,500 से अधिक निरीक्षण किए गए हैं, जिनमें 141 वितरकों पर कार्रवाई हुई है और पांच को निलंबित किया गया है।

कंपनी ने अन्य तेल विपणन कंपनियों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर अभियान चलाया है, जिसके तहत करीब 68,000 छापे मारे गए। इस दौरान 855 एफआईआर दर्ज की गईं और 48,000 से अधिक सिलेंडर जब्त किए गए।

कंपनी ने उपभोक्ताओं से की क्या अपील?

इंडियन ऑयल ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराकर बुकिंग या स्टॉक न करें।

कंपनी ने भरोसा दिलाया कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति पूरी तरह सुचारू बनी रहेगी।

भारत ने बढ़ाया अमेरिका का सिरदर्द, व्यापार में दिया 54.91 अरब डॉलर का भारी घाटा; सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

वाशिंगटन (आरएनएस) । सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 12 महीनों में अमेरिका को भारत के साथ व्यापार में 54.91 अरब डॉलर का घाटा हुआ है। इस बड़े घाटे की वजह से भारत अब उन देशों में शामिल हो गया है जिनसे अमेरिका को सबसे ज्यादा व्यापारिक घाटा (नुकसान) होता है। वहीं, फरवरी के महीने में दुनिया भर के दूसरे देशों के साथ भी अमेरिका का कुल व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ा है। महीने के आंकड़ों से पता चला कि फरवरी में अमेरिका का व्यापार घाटा बढ़कर 57.35 बिलियन डॉलर हो गया, जो जनवरी से 2.67 बिलियन डॉलर ज्यादा है, हालांकि यह अभी भी 12 महीने के एवरेज से 11 फसदी कम है। यह बढ़ोतरी इसलिए हुई क्योंकि इम्पोर्ट, एक्सपोर्ट से ज्यादा तेजी से बढ़ा। महीने के दौरान कुल एक्सपोर्ट 314.8 बिलियन डॉलर रहा, जबकि इम्पोर्ट 372.1 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। वस्तु व्यापार में अमेरिका को 84.60 अरब डॉलर का घाटा हुआ, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में 27.26 अरब डॉलर का अधिशेष दर्ज किया गया। जनवरी की तुलना में वस्तु व्यापार घाटा बढ़ा, जबकि सेवाओं का अधिशेष घट गया।

ईरान में जंग खिंचना कितना चिंताजनक?: रिपोर्ट में दावा- तेल संकट और विकराल होने की आशंका, खतरे कम आंक रहे बाजार

नई दिल्ली (ए.)। पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच वैश्विक वित्तीय बाजार अभी भी जोखिमों को पूरी तरह कीमतों में शामिल नहीं कर रहे हैं। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की हालिया रणनीति रिपोर्ट में इस बात पर चिंता जताई गई है कि बाजारों का व्यवहार जमीनी हकीकत से मेल नहीं खा रहा।

निवेशकों का क्या मानना है?

रिपोर्ट के अनुसार, बाजार में सीमित तनाव की धारणा अब भी बनी हुई है। निवेशकों का मानना है कि संघर्ष ज्यादा नहीं बढ़ेगा, जबकि हाल के घटनाक्रम इस सोच को चुनौती दे रहे हैं। अमेरिका की सैन्य सक्रियता और ईरान से जुड़े सीधे टकराव की स्थिति ने यह संकेत दिया है कि हालात और बिगड़ सकते हैं। जेफरीज ने साफ कहा है कि सैन्य टकराव के और बढ़ने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन यह जोखिम अभी बाजार की वैल्यूएशन में नजर नहीं आ रहा।

ऊर्जा आपूर्ति पर क्या अनुमान?

ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी गंभीर चिंता जताई गई है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का अहम मार्ग है, वहां आंशिक रुकावट के संकेत मिल रहे हैं। इससे कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है, जिसका असर वैश्विक महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर पड़ सकता है। रिपोर्ट में उद्योग से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि यदि यह संकट तीन से चार महीने तक जारी रहता है, तो यह वैश्विक स्तर पर एक प्रणालीगत संकट बन सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल को लंबे समय तक खाड़ी क्षेत्र में फंसा नहीं रखा जा सकता, इसके गंभीर परिणाम होंगे।

रिपोर्ट में किन चीजों को लेकर चिंता?

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बाजार केवल प्रत्यक्ष असर ही नहीं,

बल्कि इसके दूसरे चरण के प्रभावों को भी कम आंक रहे हैं। बढ़ती ऊर्जा कीमतों का असर तकनीकी क्षेत्र पर भी पड़ेगा, खासकर डेटा सेंटर के निर्माण लागत पर, क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम ऊर्जा पर अत्यधिक निर्भर हैं।

इसके साथ ही, रेड सी में बढ़ती बाधाएं और हूती विद्रोहियों की सक्रियता से सप्लाई चेन पर बहुस्तरीय दबाव बनने की आशंका है। इससे वैश्विक व्यापार और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क प्रभावित हो सकते हैं।

इसके बावजूद, वैश्विक बाजार अभी भी एक सकारात्मक आधार मानकर चल रहे हैं, जो मौजूदा परिस्थितियों में टिकाऊ नहीं दिखता। जेफरीज का मानना है कि बाजार अभी भी इस संकट की गंभीरता और कच्चे तेल से जुड़े महंगाई के जोखिम को पूरी तरह समझ नहीं पा रहे हैं, जबकि सप्लाई में लंबे समय तक बाधा आने की संभावना लगातार बढ़ रही है।

ट्रंप की ईरान संबंधी चेतावनी से सोना और चांदी में बड़ी गिरावट, खरीदारी करने का अच्छा मौका

मुंबई (आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया को लेकर दिए गए बयान के बाद गुरुवार को कीमती धातुओं की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। दिन के कारोबार में सोने-चांदी की कीमतें 7 प्रतिशत तक गिर गईं, जिससे युद्धविराम की उम्मीद कर रहे बुलियन निवेशकों को बड़ा झटका लगा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव (5 जून) में 3.60 प्रतिशत से ज्यादा यानी करीब 6,000 रुपए गिरकर 1,47,100 रुपए प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे लो तक पहुंच गया। हालांकि खबर लिखे जाने तक (दोपहर करीब 11.52 बजे) सोना 3.68 प्रतिशत यानी 5,659 रुपए गिरकर 1,48,049 रुपए पर ट्रेड करता नजर आया। वहीं, चांदी का वायदा भाव (5 मई) में और ज्यादा गिरावट देखने को मिली और इसकी कीमत 7 प्रतिशत से ज्यादा यानी 17,200 रुपए से ज्यादा टूटकर 2,24,500 रुपए प्रति किलो के इंट्राडे लो तक पहुंच गई। हालांकि खबर लिखे जाने तक यह 7.10 प्रतिशत या 17,280 रुपए की गिरावट के साथ 2,26,221 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने-चांदी की कीमतों में कमजोरी रही। स्पॉट गोल्ड 2.26 प्रतिशत गिरकर 4,650.30 डॉलर तक पहुंच गया, जबकि स्पॉट सिल्वर 4.7 प्रतिशत गिरकर 71.50 डॉलर पर आ गया। वहीं, कॉमेक्स पर गोल्ड 2.73 प्रतिशत गिरकर 4,813 डॉलर पर ट्रेड करता दिखा, जबकि सिल्वर करीब 6 प्रतिशत टूटकर 71 डॉलर तक आ गया। विश्लेषकों का कहना है कि दोनों कीमती धातुओं की कीमतों का रुझान फिलहाल कमजोर बना हुआ है।

शेयर बाजार में महारिकवरी, निवेशकों ने एक दिन में ही कमाए 15,000 करोड़

मुंबई,(आरएनएस)। भारतीय शेयर बाजार के लिए गुरुवार का सत्र उतार-चढ़ाव भरा रहा। बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन दिन के अंत में तेजी के साथ बंद हुआ। कारोबारी सत्र में बाजार में मजबूती रिकवरी देखी गई। सेंसेक्स में इंट्रा-डे लो 71,545 अंक से 1,774 अंक की बढ़त देखी गई। दिन के अंत में सेंसेक्स 185.23 अंक या 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,319.55 की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी में इंट्रा-डे लो 22,182 से 531 अंक की रिकवरी देखी गई। यह 33.70 अंक या 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,713.10 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी रियल्टी 1.07 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 0.54 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 0.39 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.39 प्रतिशत और निफ्टी एफएमसीजी 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी तरफ निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.93 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा 0.92 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर 0.86 प्रतिशत, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.79 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 0.62 प्रतिशत और निफ्टी इन्फ्रा 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ लाल निशान में थे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

गिरफ्तारी का मामला गंभीर

गिरफ्तार लोगों में सबसे संदिग्ध भूमिका अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैन डाइक की है। वह पहले लीबिया और सीरिया के सशस्त्र संघर्षों में शामिल रह चुका है। वह म्यांमार स्थित विद्रोहियों को ड्रोन युद्धकला सिखाने में लगा हुआ था। छह यूक्रेनी और एक अमेरिकी नागरिक की गिरफ्तारी का मामला गंभीर है। यूक्रेन सरकार ने इन गिरफ्तारियों पर विरोध जता कर इसे रहस्यमय भी बना दिया है। इन लोगों की गिरफ्तारी बागी संगठनों की मदद करने और अवैध हथियार उपलब्ध कराने के आरोप में हुई है। ऐसे में बिना पूरा सच सामने आए यूक्रेन सरकार उनके पक्ष में क्यों खड़ी हो गई? आरोप है कि इन लोगों ने यूरोप से ड्रोन की भारी खेप मंगा कर उसे म्यांमार के सशस्त्र विद्रोही संगठनों को उपलब्ध कराया। ये लोग भारत आकर बिना परमिट हासिल किए मिजोरम चले गए। वहां से सीमा पार कर म्यांमार गए। वहां से लौटने पर भारत की जांच एजेंसी एनआईए ने उन्हें गिरफ्तार किया।एनआईए के अनुसार म्यांमार के जिन गुटों की मदद ये आरोपी कर रहे थे, उनके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के विद्रोही संगठनों से हथियारों के आदान-प्रदान एवं प्रशिक्षण में सहयोग के संबंध हैं। ये जग-जाहिर है कि म्यांमार के गृह युद्ध में बाहरी शक्तियों का हाथ भी है। उस संघर्ष के कारण बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत आए हैं। बल्कि आरोप है कि वहां से संबंधित उग्रवादियों ने मणिपुर और मिज़ोरम में अपने ठिकाने बना लिए हैं। नई दिल्ली की अदालत में पेशी के दौरान एनआईए ने कहा कि गिरफ्तार लोग भाड़े के सैनिक की भूमिका निभा रहे थे। उनकी गतिविधियां भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनी हैं। एजेंसी ने उन लोगों पर गैर-कानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार लोगों में सबसे संदिग्ध भूमिका अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैन डाइक की बताई गई है। वह पहले लीबिया और सीरिया के सशस्त्र संघर्षों में शामिल रहा है, जहां बाहरी मदद से शासकों को हटाया गया था। एनआईए का आरोप है कि वह अपने युद्ध अनुभव का उपयोग म्यांमार स्थित विद्रोहियों को ड्रोन युद्धकला सिखाने में कर रहा था। तो कुल मिलाकर ये गिरफ्तारियां उत्तर-पूर्व में विदेशी हस्तक्षेप की चिंताजनक स्थितियों की ओर इशारा करती हैं। अपेक्षित है कि इस मामले की पूरी जांच हो और इसे अंजाम तक पहुंचाया जाए। इस बीच यूक्रेन के विरोध को नजरअंदाज कर दिया जाना चाहिए।

राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी जयंती पर विशेष

माखनलाल चतुर्वेदी की जन्म स्थली बाबई, कर्मस्थली हिरनखेड़ा और खंडवा को बनाया

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रशिक्षण के लिए बनाया था स्वराज

बलराम शर्मा

राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी की आज जयंती है। एक भारतीय आत्मा के नाम से प्रसिद्ध भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों में माखन दादा प्रमुख स्थान रखते हैं। महात्मा गांधी सहित तमाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उन्हें बहुत सम्मान देते थे। उन्होंने अपना समग्र जीवन राष्ट्र सेवा में अर्पित कर दिया। नर्मदापुरम जिले के बाबई में जन्मे चतुर्वेदीजी के नाम से उस नगर का नाम माखन नगर हो गया है। दादा की जन्म स्थली माखन नगर थी। लेकिन कर्म स्थली के रूप में उन्होंने हिरनखेड़ा और उसके बाद खंडवा को चुना था। यह बात हिरनखेड़ा गांव के अनेक लोग बताते हैं। सबसे खास बात यह है कि जिस स्थान पर वे कुछ वर्ष रहे उसका नाम स्वराज रखा गया था। जिसे गांव का बच्चा बच्चा भी स्वराज के नाम से जानता है। अभी तक उस स्थान का नाम गांव के लोग बड़े उत्साह के साथ सुराज नाम लेते हैं। हिरनखेड़ा गांव के लोगों का कहना है दादा ने यहां पर एक स्कूल खोला था जिसका नाम था सेवा सदन विद्यालय। यहां पर आसपास के गांवों के बच्चे भी पढ़ने आते थे। उसी दौरान आजादी की जंग शुरू हो गई थी। स्कूल के पास का कुछ हिस्सा उस समय के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की शरण स्थली के साथ ही प्रशिक्षण के काम भी आता था। सेनानियों की गुप्त बैठकें भी यहीं पर होती थी। दादा विद्यार्थियों के साथ ही सेनानियों को देश प्रेम का पाठ पढ़ाते थे। यहीं पर काव्य रचना भी करते थे। जिस स्थान पर वह रहते थे उस पूरे क्षेत्र को स्वराज का नाम दिया गया था। गांव के लोग बताते हैं कि चतुर्वेदीजी ने हिरनखेड़ा के प्राचीन तालाब के किनारे स्वराज्य आश्रम बनाया था। यहीं पर उस समय हाई स्कूल शुरू किया था साथ ही यहां पर आवासीय सुविधा भी छात्रों के लिए थी जिसमें कि बाहर के छात्र यहीं पर रुकते थे। इन्हीं छात्रों में से एक छात्र स्व. बृजलाल वर्मा आगे चलकर भारत सरकार में संचार मंत्री हुएयहां चतुर्वेदीजी के पास स्वतंत्रता संग्राम के अनेक यशस्वी नेता भूमिगत रहकर आंदोलन चलाते थे इनमें से एक नाम पंडित सुंदरलाल तपस्वी का है जिन्हें गिरफ्तार करने के लिए अंग्रेज सरकार ने बड़ा ईनाम रखा था। पंडित सुंदरलाल तपस्वी ने भारत में अंग्रेजी राज ग्रंथ की रचना की थी जिसके चार भाग प्रकाशित हुए थे और जिन्हें अंग्रेजों ने प्रतिबंधित कर दिया था। ऐसे ही

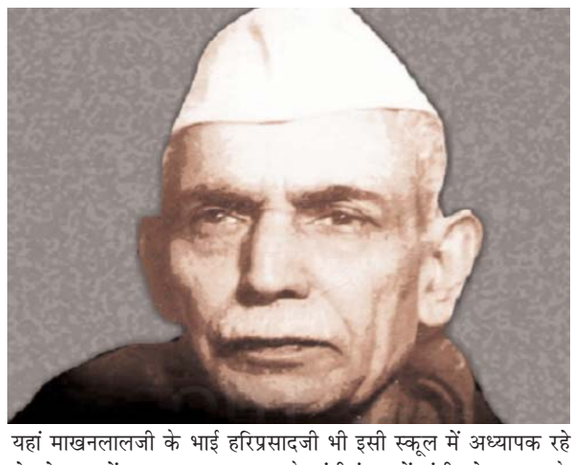

यहां माखनलालजी के भाई हरिप्रसादजी भी इसी स्कूल में अध्यापक रहे थे जो बाद में श्यामा प्रसाद शुक्ल के मंत्रीमंडल में मंत्री रहे। दादा के नेतृत्व में हिरनखेड़ा में स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन की अनेक गुप्त बैठकें होती रही। विशेष बात यह थी कि दादा के भाईयों जिनमें स्वर्गीय पं रामदयाल चतुर्वेदी, ब्रजभूषण चतुर्वेदी ने भी अपना पूर्ण सहयोग दिया। जब आंदोलन तेज गति पकड़ चुका था तब दादा यहां से खंडवा की ओर चले गए थे। जहां से कर्मवीर का प्रकाशन शुरू किया।

दादा के नाम पर हाईस्कूल है

दादा के नाम पर हिरनखेड़ा में स्वराज भवन का तो कोई नाम निशान नहीं बचा है। उनके नाम पर गांव में दूसरी जगह माखनलाल चतुर्वेदी हाईस्कूल जरूर संचालित हो रहा है। गांव के लोगों की इच्छा है कि यहां पर दादा के नाम का कोई अच्छा सा स्मारक बनना चाहिए।

साहित्य के साथ शिक्षा और राष्ट्रप्रेम की अलख जगाई माखन दादा ने

आजादी की लड़ाई में साहित्यकारों का विशेष योगदान रहा है। उनमें दादा माखनाल चतुर्वेदी का भी प्रमुख स्थान है। तभी तो महात्मा गांधी भी दादा से काफी प्रभावित रहे हैं। माखननगर के बुजुर्गों को इस बात की जानकारी है कि जब बापू इटारसी आए थे तब उन्होंने कहा था कि मुझे माखनलाल की बाबई के दर्शन करने जाना है। उसके बाद महात्मा गांधी इटारसी होते हुए बाबई आए भी थे।

12 बार जाना पड़ा जेल

दादा माखन लाल चतुर्वेदी स्वत्रंतत्रा संग्राम आंदोलन के दौरान 12 बार जेल गए उन्होंने जेल में ही पुष्प की अभिलाषा नामक कविता लिखी जो उनकी प्रसिद्ध रचना है। पुष्प की अभिलाषा लिखे हुए 105 वर्ष हो गए हैं। उनका बचपन बाबई में ही बीता है। युवावस्था में दादा खंडवा पहुंचे जहां पर उन्होंने शिक्षक का कार्य किया उसके कुछ समय बाद ही पत्रकारिता से जुड़ गए थे। पत्रकारिता करते हुए ही उन्होंने कविताएं लिखना शुरू कर दिया। हिमकिरीटनी जैसी उत्कृष्ट काव्य कृति ने उन्हें अनेक पुरूष्कार दिलवाए हैं।

दादा के बारे में लोगों के विचार

चरण स्पर्श किए हैं

नर्मदापुरम के वरिष्ठ नागरिक गोपीकांत घोष बताते हैं कि जब मैं कक्षा नवमी में था तब खंडवा में हमारे परिजन का घर बढ़ा बम मोहल्ला में था वहीं पर दादा का निवास भी था तब दादा के चरण स्पर्श का मौका मिला है।

सभी से प्रेम करते थे दादा

दादा के नाती ने कुछ समय पूर्व बताया था कि दादा सबसे प्रेम करते थे। मैं छोटा था तब उनके पास रहने का अनेक बार अवसर मिला। मुझे पास बुलाते थे। अच्छी शिक्षा देते थे। उन्हीं के मार्गदर्शन मिलने से मैं शिक्षक बना था। ध्रुव कुमार तिवारी उनकी बहन की बेटी का बेटा।

व्यवस्थित संग्रहालय हो

देश के वरिष्ठतम साहित्यकार की जन्म स्थली माखननगर बाबई माखन नगर में दादा के नाम का एक व्यवस्थित संग्रहालय होना चाहिए। उन्होंने देश की आजादी में गांधी जी के साथ स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ते हुए जेल गए। उनकी श्रेष्ठ रचनाओं में से पुष्प की अभिलाषा का यह शताब्दी वर्ष है। यह कविता उन्होंने 1921 में जेल में ही लिखी थी।

कीर्ति प्रदीप वर्मा साहित्यकार माखननगर बाबई

दादा का हिरनखेड़ा से विशेष प्रेम था

हमारे गांव के बुजुर्गों से सुना है कि माखन लाल चतुर्वेदी जी को हिरनखेड़ा गांव से विशेष प्रेम था। दादा के नाम पर गांव में दूसरी जगह माखनलाल चतुर्वेदी हाईस्कूल संचालित हो रहा है। गांव के लोगों की इच्छा है कि यहां पर दादा के नाम का कोई स्मारक बनना चाहिए।

रामकुमार गौर
हिरनखेड़ा

जनजातीय खेल प्रतिभाः हमारा राष्ट्रीय गौरव

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

मैंने देखा है कि ग्रामीण क्षेत्रों और वनांचलों में, बच्चे घर के बाहर प्रकृति के सानिध्य में अधिक समय बिताते हैं। वे खेल-कूद के सहज तरीके खोज लेते हैं। वे मिट्टी में लकीरें खींचकर और आकृतियां बनाकर, खेलने की जगह तैयार कर लेते हैं। वे फलों के सूखे बीजों का खेल की गोटियों की तरह इस्तेमाल कर लेते हैं। सूखे पत्तों, पेड़ों की जड़ों और फटे-पुराने कपड़ों से गेंद बना लेते हैं। बांस का उपयोग करके हॉकी और फुटबाल के गोल-पोस्ट बना लेते हैं। इस प्रकार, अनेक प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग करके, वे अपने खेल-संसार की रचना कर लेते हैं। बहुत से बच्चे बिना जूते और जर्सी के पूरे जोश से खेलते रहते हैं। पोखरों-तालाबों में बच्चे खूब तैरते रहते हैं। तैराकी की इस सहज प्रतिभा को अब उपलब्ध प्रशिक्षण और संसाधनों की सहायता से विकसित करके, केवल 15 वर्ष की, जाजपुर की बेटी अंजलि मुंडा ने प्रथम 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' में पहले ही दिन तीन स्वर्ण-पदक जीत कर पूरे देश के युवाओं को प्रेरित किया।

तीरंदाजी के प्रति जनजातीय लोगों में सहज तरंग सी होती है। संताल-समुदाय ने वर्ष 1855 में शोषण के विरुद्ध एक घनघोर संग्राम किया था जो 'संताल हूल' के नाम से अमर है। आधुनिक हथियारों से लैस ब्रिटिश सेनाओं ने उस क्रान्ति को दबा तो दिया लेकिन अपने विवरणों में अंग्रेजों ने संताल वीरों के युद्ध कौशल, खासकर तीरंदाजी का विशेष उल्लेख किया है। संताल-हूल का नेतृत्व करने वाले बहादुर भाइयों सिद्धो-कान्हू तथा चांद-भैरव एवं वीरांगना बहनों, फूलो-झानो की प्रतिमाओं का झारखंड में उनके गांव उरी-मारी में जाकर अनावरण करने का सौभाग्य मुझे तब मिला था जब मैं राज्यपाल थी। तीरंदाजी में एकलव्य की महानता से देश का बच्चा-बच्चा परिचित है। वे श्रेष्ठतम धनुर्धर के रूप में सम्मानित हैं। एकलव्य, सभी देशवासियों के लिए, विशेषकर जनजातीय समाज के लिए एक प्रेरक विभूति हैं। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में स्थापित 'खेल उत्कृष्टता केंद्र' बच्चों को खेल-कूद की आधुनिक सुविधाओं और पद्धतियों से सक्षम बना रहे हैं। इसी प्रकार स्कूल-व्यवस्था के साथ-साथ अन्यत्र विद्यमान खेल-प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें प्रशिक्षित करने के कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

मेरे व्यक्तिगत प्रयासों से, मेरे गांव में वंचित वर्गों के बच्चों के लिए एक आवासीय स्कूल की स्थापना की गई है। इस विनम्र प्रयास के तहत स्कूल के परिसर में ही तीरंदाजी के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी कराई गई है। सरकार के प्रयासों के साथ-साथ छोटे-छोटे व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास भी जनजातीय बच्चों में निहित खेल-प्रतिभाओं को निखारने में सहायक होंगे।

मेरे गांव के अन्य जनजातीय बच्चों की तरह, मुझमें भी तैराकी सहित, व्यायाम और खेलों के प्रति बहुत रुझान था। मैं स्कूल की खेल प्रतियोगिताओं में प्राय: प्रथम स्थान पर रहती थी। एक प्रतियोगिता में जानबूझकर मैंने अपने को इसलिए पीछे रखा ताकि मेरी एक सहेली को प्रथम पुरस्कार का आनंद मिल सके। खेल-कूद से टीम भावना विकसित होती है तथा सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा और मैदान के बाहर गहरी मित्रता, खिलाड़ियों में प्राय: देखने को मिलती है।

मेरे भाई फुटबाल के बहुत अच्छे खिलाड़ी रहे हैं जो गंभीर चोट लगने के कारण आगे नहीं खेल सके। मेरे परिवार के कुछ अन्य सदस्यों ने भी विभिन्न खेलों में उत्कृष्टता प्रदर्शित की है। इस निजी विवरण से मैं यह बताना चाहती हूं कि जनजातीय परिवारों में खेल-कूद की जीवन्त परंपरा विद्यमान है। उनमें खेलों के लिए असीम प्रतिभा है, ऊर्जा है, रुचि है और आगे बढ़ने का हौसला भी है। सुविधाओं और प्रशिक्षण के द्वारा ऐसी प्रतिभाओं को निखारने से, खेल-कूद उनके लिए केवल मनोरंजन और सामाजिक मेल-जोल का जरिया न होकर जीवन में आगे बढ़ने का, आर्थिक आत्म-निर्भरता और सामाजिक सम्मान प्राप्त करने का माध्यम बन सकता है। इस संदर्भ में वर्ष 2018 से केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों तथा खेल- संस्थानों के साथ मिलकर चलाए जा रहे 'खेलो इंडिया' अभियान द्वारा अच्छा बदलाव आया है। कुछ वर्षों पहले तक हमारे देश में खेल-कूद की अच्छी सुविधाएं केवल महानगरों तक सीमित थीं जबकि ग्रामांचलों और वनांचलों में अनेक प्रतिभावान खिलाड़ी रहते हैं। जनजातीय क्षेत्रों में खेल-अकादमी और प्रशिक्षण सुविधाएं सुलभ नहीं होती थीं। अब एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में बच्चों के खेल-कूद पर विशेष ध्यान देने से लेकर खेलो इंडिया जनजातीय खेल जैसे प्रयत्नों के बल पर जनजातीय प्रतिभाओं को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिल रहा है। मुझे याद है कि मेरे विद्यार्थी जीवन के दौरान ग्रामीण स्तर पर, पांच-छह गांवों के लोग मिलकर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित किया करते थे। कुछ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्थाएं भी जनजातीय क्षेत्रों में खेल-कूद को बढ़ावा देती रही हैं। प्राय: ग्रामीण क्षेत्र की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अच्छे खिलाड़ी भी ग्रामीण स्तर से ऊपर नहीं उठ पाते थे। पिछले कुछ वर्षों में, इस स्थिति को बदलने के अनेक सराहनीय प्रयास किए गए हैं। ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' का आयोजन किया गया। इस आयोजन से जमीनी स्तर के जनजातीय खिलाड़ियों को भी पहचान मिली है तथा उन्हें सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराए गए हैं। इन राष्ट्रीय खेलों में लगभग सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। भारत ने खिलाड़ियों की नैसर्गिक प्रतिभा के बल पर ओलिम्पिक खेलों में पहला स्वर्ण-पदक, हॉकी के लिए, वर्ष 1928 में जीता था। उस विजय में जनजातीय समुदाय के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका थी। तब से लेकर आज तक दिलीप तिर्की, सुबोध लाक्रा और सलीमा टेटे जैसे स्टार-हॉकी खिलाड़ी भारत की पुरुष तथा महिला टीमों को जनजातीय प्रतिभा से समृद्ध करते रहे हैं। भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'खेलो इंडिया' नामक राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम के तहत स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सभी भौगोलिक क्षेत्रों, सामाजिक वर्गों और संस्थाओं के लिए समुचित खेल इको-सिस्टम उपलब्ध कराने का समावेशी प्रयास किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत, खेल-कूद में बेटियों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही 'अस्मिता' नामक योजना से जनजातीय बेटियों की क्षमता भी विकसित हो रही है। 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' द्वारा शुरू की गई मुहिम को मजबूत बनाते हुए जनजातीय खेल-प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने से, खिलाड़ियों के ऐसे समूह तैयार होंगे जो विश्व-पटल पर भारत को खेल-महाशक्ति के रूप में स्थापित करेंगे।

मेष राशि:आज आपका दिन बेहतर रहेगा। करियर के मामले में आप अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां ले सकते हैं। हालांकि, उनको पूरा करने की भी आप पूरी कोशिश करेंगे। छात्रों की मेहनत आज रंग लाएगी, उन्हें आज बहुप्रतीक्षित परीक्षा परिणाम में सफलता प्राप्त होगी।

वृषभ राशि:आज आपका दिन आपके लिए राहत पूर्ण रहने वाला है। आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि के कम्प्यूटर की शॉप चलाने वाले लोगों के लिये दिन अत्यन्त महत्वपूर्ण रहने वाला है आपको किसी बड़ी कंपनी से अच्छा ऑर्डर मिल सकता है। छात्रों को अपनी किसी प्रतिभा के लिए पुरस्कार मिल सकता है।

मिथुन राशि:आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप घरेलू चीजों को खरीदने के लिये मार्केट जा सकते हैं। आपके बच्चे आपको हर तरह से सपोर्ट करेंगे। महिलाओं के लिये दिन बेहतरीन रहेगा। आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त हो सकते हैं। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेगा। अगर आप राजनीति के क्षेत्र में हैं तो आप सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

कर्क राशि:आज आपका दिन ठीक ठाक रहेगा। ऑफिस में किसी से भी व्यर्थ की बहस करने से बचने का प्रयास करें। आपको अपने गुस्से पर भी कंट्रोल रखना होगा। गुस्से में आपका काम बिगड़ सकता है। किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने की सोच रहे हैं तो किसी जानकार की सलाह जरूर ले लें। कलाक्षेत्र से जुड़े लोगों के लिये दिन बढ़िया रहेगा।

सिंह राशि:आज किसी खास व्यक्ति से आपकी उम्मीदें बढ़ी हुई रहेंगी और वह व्यक्ति आपकी उम्मीदों कहर उतरेगा। किसी तरह के वाद विवाद में फसने से बचने का प्रयास करें। साथ ही जो भी काम करें अपने दम पर करें, खुद पर भरोसा रखें सफलता अवश्य मिलेगी। आज किसी से मदद लेने से बचें। छात्रों के लिये दिन सामान्य रहेगा पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ेगी।

कन्या राशि:आज आपकी ऊर्जा का स्तर बेहतर रहेगा। आपका काम कम समय में पूरा हो जाएगा। आपके काम से लोग प्रभावित होंगे और आपकी कार्यकुशलता सराहनीय रहेगी। समाज में आपका मान सम्मान बढ़ेगा, परिवार में भी सब लोग आपके पक्ष में रहेंगे। आप किसी रिश्तेदार के यहां फंक्शन में जा सकते हैं। विवाहित लोगों की जिंदगी में सब कुछ अच्छा रहेगा।

तुला राशि:आज आपका मन लेखन कार्यों में रहेगा। आप किसी पुरानी अधूरी रचना को फिर से पूरा कर सकते हैं, इससे आपको मानसिक सुकून मिलेगा। कॉलेज में किसी काम के लिये पुरस्कार दिया जाएगा। आप आगे की पढ़ाई के लिये पूरी मेहनत करेंगे आपका विदेश जाने का सपना पूरा होगा।

वृश्चिक राशि:आज आपका दिन शानदार रहेगा। पहले से बनाई हुई योजनाओं के पूर्ण होने के योग बन रहे हैं। आप किसी नए काम शुरू करने के बारे में सोच सकते हैं। परिवार में सबके साथ आपके रिश्ते अच्छे बने रहेंगे। स्टूडेंट्स अपना प्रोजेक्ट पूरा करने के लिये किसी मित्र से सहयोग मांग सकते हैं। ऑफिस में स्थिति ठीक बनी रहेगी।

धनु राशि:आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। बिजनेस के मामले में आपको किसी नजदीकी दोस्त से मदद मिलेगी। आपका मन प्रसन्न रहेगा। नव विवाहित किसी ट्रिप का प्लान बनाएंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। छात्र किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। आपको सफलता भी मिलेगी। अगर आप जॉब करने के बारे में सोच रहे हैं तो ये समय बेहतर है। आप किसी अच्छी जगह पर अप्लाई कर सकते हैं।

मकर राशि:आज मेहनत से किये हुए काम पूरा होने की उम्मीद है, जिससे आपको काफी राहत मिल सकती है, लेकिन आपको समय के प्रति थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। किसी कार्य में अधिक समय लगाने से दूसरे काम अधूरे रह सकते हैं। आप किसी से मदद मांगने में ना हिचकें। सबके साथ अच्छा व्यवहार बनाये रखें। पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे हैं तो अपने पार्टनर से किसी जरूरी मुद्दे पर बात कर सकते हैं।

कुंभ राशि:आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप किसी नए रिश्ते की शुरुआत कर सकते हैं, दिन अच्छा रहेगा। आपको काम के बेहतरीन मौके मिलेंगे। जो लोग जॉब कर रहे हैं उन्हें किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर मिल सकते हैं। ज्वैलरी का व्यापार कर रहे लोगों को फायदा होगा।

मीन राशि:आज आपकी किस्मत आपका साथ देगी। आपके सारे काम आसानी से पूरे होते दिखेंगे। अपने भविष्य के लिए योजना बना सकते हैं। काम के प्रति सोच विचार में दोस्तों का भी सहयोग मिल सकता है। आज आपकी इच्छा पूरी हो सकती है। इस राशि के बिजनेसमैन कुछ बड़े लोगों से मिल सकते हैं आपकी मुलाकात सफल रहेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। छोटे बच्चे अपने दोस्तों के साथ खेलने में बिजी रह सकते हैं।

भारतीय शासन व्यवस्था की पटकथा फिर से लिख रहा है मिशन कर्मयोगी

डॉ जितेंद्र सिंह

कल्पना करें कि राजस्थान के दूरदराज के किसी कोने में जिला कलेक्टर को एक ऐसी महत्वाकांक्षी कल्याण योजना की जिम्मेदारी सौंपी जाती है जिसके बारे में उसकी जानकारी बहुत कम है। एक दशक पहले उसे जानकारी के लिए कहीं धूल खा रही किसी नियमावली का सहारा लेना होता। या फिर वह अपने किसी वरिष्ठ सहयोगी की तीन बैठकों और लंच के बाद खाली होने का इंतजार करता। उसकी उम्मीद उस प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भी टिकी हो सकती थी जो शायद एक या दो साल में कभी आता। लेकिन आज वह अपने फोन के जरिए आईगॉट (इंटिग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म) पर लॉग ऑन करता है। उसे मिनटों में ही अपनी जरूरत के अनुरूप एक सुव्यवस्थित कार्यकुशलता आधारित पाठ्यक्रम मिल जाता है। वह शाम तक सूचनाओं और आत्मविश्वास से लैस होकर योजना के लाभार्थियों की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहा होता है। यह बदलाव देखने में छोटा लग सकता है मगर हकीकत में किसी क्रांति से कम नहीं है।

चमक-दमक से दूर धैर्य के साथ पांच साल पहले शुरू किया गया मिशन कर्मयोगी एक क्रांति ला रहा है। यह नए भारत के लिए एक नई तरह के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने के उद्देश्य से चुपचाप काम कर रहा है।

इसके महत्व को समझने के लिए हमें पहले संदर्भ को जानना होगा। 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री के निर्धारित लक्ष्य तक यूं ही नहीं पहुंचा जा सकता। इस मंजिल तक पहुंचने के लिए हमें भारत गणतंत्र को चलाने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों के जरिए सावधानी से एक-एक कदम आगे बढ़ना होगा। इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पूंजी, प्रौद्योगिकी या नीति नहीं है। सबसे ज्यादा अहमियत उन लगभग 3.5 करोड़ प्रशिक्षित, उत्साही और नागरिक केंद्रित सरकारी कर्मियों की क्षमता की है जो हर सुबह उठ कर भारतीय शासन को संचालित करते हैं।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में ज्यादातर समय क्षमता निर्माण का मॉडल सांयोगिक रहा है। किसी नौजवान अधिकारी को सेवा की शुरुआत के समय औपचारिक प्रशिक्षण दिया जाता था। फिर करियर के बीच में यदा-कदा उसे कुछ पाठ्यक्रमों में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता था। बाकी, उसे काम करते हुए और दूसरों को देख कर ही सीखना होता था। एक स्थिर और धीमी गति से आगे बढ़ते विश्व में यह काफी था। लेकिन कृत्रिम मेधा, जलवायु अवरोध, जनसांख्यिकीय दबाव और जबर्दस्त प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के युग में यह सरासर नाकाफी है। प्रशासन के सामने चुनौतियां जिस रफ्तार से आती हैं उसके सामने प्रशिक्षण की पुरानी प्रणालियों की गति कहीं नहीं टिकती।

मिशन कर्मयोगी को इसी बेमेल स्थिति के समाधान के रूप में की गई थी। 2021 में शुरू किया गया यह मिशन—जिसे उसी वर्ष अप्रैल में स्थापित क्षमता निर्माण आयोग द्वारा संस्थागत रूप से संचालित किया गया, एक सचमुच महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आगे बढ़ा। भारतीय सिविल सेवाओं की सीखने की संस्कृति को, समय-समय पर होने वाली और केवल नियमों के पालन तक सीमित प्रक्रिया से बदलकर, एक निरंतर चलने वाली, भूमिका-आधारित और स्वयं-निर्देशित विकास यात्रा में रूपांतरित करना इसका मकसद है।

जैसा कि आयोग इसका वर्णन करता है, यह बदलाव कर्मचारी—यानी नियमों का पालन करने वाले एक पदाधिकारी से कर्मयोगी बनने की ओर है: एक ऐसा लोक सेवक जो किसी उद्देश्य, सेवा-भाव और उत्कृष्टता से प्रेरित हो।पाँच वर्षों के बाद, ये आंकड़े अत्यंत शिक्षाप्रद हैं। 'आईगॉट' (इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग) प्लेटफॉर्म पर अब 1.5 करोड़ से अधिक सरकारी अधिकारी सक्रिय शिक्षार्थी के रूप में जुड़े हैं — यह एक ऐसी संख्या है जो शुरुआत के समय काल्पनिक लगती थी। 4,600 से अधिक योग्यता-आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से, इन अधिकारियों ने 8.3 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम पूरे किए हैं।

(चिंतन-मनन) द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वंद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वंद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वंद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वंद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो।

जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वत: समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर।

संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 04 अप्रैल 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

बवाना में एलपीजी सिलेंडरों की भारी जमाखोरी का भंडाफोड़, दिल्ली पुलिस ने 75 सिलेंडर जब्त किए, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली (ए.)। पश्चिमी एशिया में जारी युद्ध के कारण पैदा हुए ऊर्जा संकट के बीच, दिल्ली पुलिस ने राजधानी के बवाना इलाके में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध भंडारण करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में अनिल (50) नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उसके पास से कुल 75 सिलेंडर बरामद किए हैं। अधिकारी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में एलपीजी सिलेंडरों के अवैध भंडारण और परिवहन की गुप्त सूचना मिलने के बाद आरोपी को पकड़ा गया। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने बृहस्पतिवार शाम बवाना के डिस्ट्रिक्ट पार्क के पास घेराबंदी की। शाम करीब चार बजे एक पिकअप ट्रक को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें से 27 एलपीजी सिलेंडर बरामद हुए। इनमें घरेलू और व्यावसायिक, दोनों तरह के सिलेंडर शामिल थे। अधिकारी ने कहा, पूछताछ के दौरान आरोपी सिलेंडरों से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज, लाइसेंस, परमिट, स्टॉक रजिस्टर या स्वामित्व का प्रमाण पेश नहीं कर सका। पूछताछ में अनिल ने खुलासा किया कि पास के परिसरों में और भी सिलेंडर रखे हुए हैं। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने इलाके की एक फैक्ट्री के पास दो कमरों और लोहे के एक शेड पर छापा मारा। अधिकारी ने बताया, वहां से 48 अतिरिक्त सिलेंडर बरामद किए गए, जिससे कुल जब्ती 75 हो गई है। सिलेंडरों को बिना किसी सुरक्षा उपाय या कानूनी अनुमति के रखा गया था, जिससे गंभीर खतरा हो सकता था। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब भारत में एलपीजी आपूर्ति को लेकर दबाव बना हुआ है। अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच जारी भीषण संघर्ष के कारण होर्मुज़ जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) के माध्यम से समुद्री आपूर्ति मार्ग बाधित हो गए हैं। इस रणनीतिक मार्ग के बंद होने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिसका सीधा असर भारत में एलपीजी की उपलब्धता पर पड़ा है। इसी संकट का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व सिलेंडरों की जमाखोरी और ऊंचे दामों पर कालाबाजारी करने की कोशिश कर रहे हैं।

ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ ने काठगोदाम एक्सप्रेस में चोरी हुआ सामान महिला यात्री को लौटाया

रेल मदद शिकायत पर तत्काल कार्रवाई कर सामान किया वापस

कोटा (निप्र)। रेलवे सुरक्षा बल, भरतपुर पोस्ट द्वारा ऑपरेशन अमानत के तहत गाड़ी सं. 09075 काठगोदाम एक्सप्रेस में यात्रा कर रही एक महिला यात्री का चोरी हुआ पर्स बरामद कर सकुशल वापस किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि रेल मदद पर शिकायत प्राप्त होने पर उप-निरीक्षक शीतल सिंह चौहान, आरक्षक सुरेशचंद एवं आरक्षक राकेश सिंह मीना को भरतपुर स्टेशन के आउटर पर तत्काल तैनात किया गया। सतर्क आरपीएफ दल ने ट्रेन के आउटर से निकलते समय एक संदिग्ध व्यक्ति को शयनयान श्रेणी के कोच के दरवाजे पर खड़ा देखा। स्टाफ को नजदीक देख वह व्यक्ति पर्स छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। आरपीएफ दल ने तत्काल पर्स जप्त कर पोस्ट पर सुरक्षित रखा। बरामद पर्स में एक मोबाइल फोन, पेन ड्राइव, बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य जरूरी दस्तावेज एवं सामान मिले जिनकी कुल कीमत लगभग 20,000 आँकी गई। महिला यात्री श्रीमती हिना कैसेर, उत्तर प्रदेश को समस्त सामान गवाहों के समक्ष सुपुर्द किया गया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जन विश्वास विधेयक, 2026 के पारित होने का स्वागत किया

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने संसद में जन विश्वास विधेयक, 2026 के पारित होने का स्वागत किया है।एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह ने कहा, संसद में जन विश्वास विधेयक 2026 का पारित होना भारत में आसान जीवन और आसान व्यापार को गति देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। अनेक कानूनी प्रावधानों को कम करके यह विधेयक मोदी जी के नए भारत के सपने को साकार कर रहा है, जिससे आम लोगों का जीवन आसान और व्यवसाय करना सरल हो जाएगा।

खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं, आम आदमी पार्टी के नाम राघव चड्ढा का संदेश, लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी ही पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें जनता से जुड़े मुद्दे उठाने से रोका जा रहा है। हाल ही में पार्टी द्वारा उन्हें राज्यसभा में उपनेता (डिप्टी लीडर) पद से हटाए जाने के बाद यह बयान और भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राघव चड्ढा पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं और उनका कार्यकाल 2022 से 2028 तक है। उन्होंने अपने संदेश में कहा, खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वह आम आदमी के मुद्दों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में चड्ढा ने बताया कि उन्होंने हमेशा आम जनता से जुड़े मुद्दों को संसद में प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एयरपोर्ट पर महंगे खाने का मुद्दा हो, या फिर ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जैसे स्विग्गी और जोमैटो के डिलीवरी कर्मचारियों से जुड़ी समस्याएं- इन सभी विषयों को उन्होंने गंभीरता से उठाया। इसके अलावा बैंकिंग सेक्टर में आ रही दिक्कतें और टोल प्लाजा पर आम लोगों को हो रही परेशानियों को भी उन्होंने संसद में बार-बार उठाया।

राघव चड्ढा का आरोप है कि अब उनकी ही पार्टी उन्हें इन मुद्दों को उठाने से रोक रही है। उन्होंने कहा कि यह समझ से परे है कि आम आदमी के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टी आखिर क्यों जनता की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। उनका यह भी दावा है कि पार्टी की ओर से संसद में निर्देश दिए गए हैं कि उन्हें सवाल उठाने का मौका न दिया जाए और बोलने से रोका जाए।

काशगंज-मथुरा पैसेंजर अब 15 अप्रैल तक गंगापुर सिटी तक विस्तारित

नई दिल्ली (ए.)। यात्रियों की सुविधा एवं बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 55335/55336 काशगंज-मथुरा पैसेंजर (प्रति दिवस) को दिनांक 04 अप्रैल 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक अस्थायी रूप से गंगापुर सिटी तक विस्तारित किया गया है। इस निर्णय से कोटा मंडल के प्रमुख स्टेशनों के यात्रियों को सीधी रेल सुविधा उपलब्ध होगी। इस अस्थायी विस्तार के अंतर्गत यह गाड़ी भरतपुर जंक्शन, बयाना जंक्शन, हिंडौन सिटी, श्री महावीर जी एवं गंगापुर सिटी स्टेशनों पर ठहराव लेगी।

गाड़ी संख्या 55335 काशगंज-गंगापुर सिटी पैसेंजर (अस्थायी विस्तार)

यह गाड़ी काशगंज से प्रतिदिन 11:05 बजे प्रस्थान करेगी। मथुरा जंक्शन पर 14:20/15:30 बजे ठहराव के उपरांत यह भरतपुर जंक्शन (15:53/15:55), बयाना जंक्शन (16:23/16:25), हिंडौन सिटी (16:53/16:55) तथा श्री महावीर जी (17:05/17:07) स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए सायं 18:20 बजे गंगापुर सिटी पहुँचेगी।

गाड़ी संख्या 55336 गंगापुर सिटी-काशगंज पैसेंजर (अस्थायी विस्तार)

वापसी में यह गाड़ी गंगापुर सिटी से प्रतिदिन 19:00 बजे प्रस्थान करेगी। मार्ग में श्री महावीर जी (19:23/19:25), हिंडौन सिटी (19:35/19:37), बयाना जंक्शन (20:03/20:05), भरतपुर जंक्शन (20:38/20:40) तथा मथुरा जंक्शन (22:10/22:15) स्टेशनों पर ठहराव के बाद यह रात्रि 00:30 बजे काशगंज पहुँचेगी। यात्री अपनी यात्रा से पूर्व रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा एनटीईएस मोबाइल ऐप के माध्यम से गाड़ियों की अद्यतन जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

नई दिल्ली में तमिलनाडु के लिए कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी.

समर स्पेशल गाड़ियों की अवधि में विस्तार

कोटा (निप्र)। ग्रीष्मकालीन यात्रा सीजन में यात्रियों की सुविधा हेतु कोटा मंडल से गुजरने वाली दो जोड़ी समर स्पेशल गाड़ियों के संचालन की अवधि विस्तारित की गई है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि -

1. गाड़ी सं. 09185 मुम्बई सेंट्रल-कानपुर अनवरगंज समर स्पेशल एक्सप्रेस (प्रत्येक रविवार) का संचालन दिनांक 05.04.2026 से 26.07.2026 तक विस्तारित किया गया है। 2. गाड़ी सं. 09186 कानपुर अनवरगंज-मुम्बई सेंट्रल समर स्पेशल एक्सप्रेस (प्रत्येक सोमवार) का संचालन दिनांक 06.04.2026 से 27.07.2026 तक विस्तारित किया गया है। 3. गाड़ी सं. 09183 मुम्बई सेंट्रल-बनारस समर स्पेशल एक्सप्रेस (प्रत्येक बुधवार) का संचालन दिनांक 20.05.2026 से 29.07.2026 तक विस्तारित किया गया है। 4. गाड़ी सं. 09184 बनारस-मुम्बई सेंट्रल समर स्पेशल एक्सप्रेस (प्रत्येक शुक्रवार) का संचालन दिनांक 22.05.2026 से 31.07.2026 तक विस्तारित किया गया है। 5.गाड़ी सं. 08611 सन्तरागाछी-अजमेर समर स्पेशल एक्सप्रेस (प्रत्येक सोमवार) का संचालन दिनांक 06.04.2026 से 13.04.2026 तक (02 फेरे) एवं दिनांक 20.04.2026 से 29.06.2026 तक (11 फेरे) विस्तारित किया गया है। 6. गाड़ी सं. 08612 अजमेर-सन्तरागाछी समर स्पेशल एक्सप्रेस (प्रत्येक गुरुवार) का संचालन दिनांक 09.04.2026 से 16.04.2026 तक (02 फेरे) एवं दिनांक 23.04.2026 से 02.07.2026 तक (11 फेरे) विस्तारित किया गया है।

डिवोर्स के बाद पति की हैवानियत, एक्स वाइफ को बाइक में फंसाकर घसीटा, चीखें सुनकर दौड़े लोग

बहराइच,(आरएनएस)। यूपी के बहराइच जिले में एक व्यक्ति को अपनी तलाकशुदा पत्नी को बाइक से बांधकर सड़क पर घसीटते हुए उसकी हत्या का प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना नानपारा कोतवाली क्षेत्र में हुई, जिसमें महिला और आरोपी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रामगांव क्षेत्र के मुसल्लमपुर गांव निवासी रहीस ने करीब एक साल पहले नानपारा निवासी रेशमा से शादी की थी लेकिन आपसी विवाद के कारण दोनों का जनवरी में तलाक हो गया, जिसके बाद महिला अपने मायके में रह रही थी। रहीस बुधवार को नानपारा आया था और लक्ष्मणपुर मतेही गांव के पास घर लौट रही अपनी तलाकशुदा पत्नी से उसका आमना-सामना हुआ। इस दौरान दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई।

राप्ती नदी में डूबे चार किशोरों के शव मिले, किनारे पर चार साइकिल और कपड़े पड़े थे; दो दिन चला तलाशी अभियान

गोरखपुर ,(आरएनएस)। गोरखपुर के खोराबार थाना इलाके के मिर्जापुर घाट स्थित पीपा पुल के पास राप्ती नदी में नहाने गए तीन अन्य किशोरों का शव शुक्रवार को बरामद कर लिया गया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की चार टीमें लगातार नदी में सर्च अभियान चला रही थीं। किशोरों का मिलते ही घर में कोहराम मच गया, परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, कैंट थाना क्षेत्र के रानीडीहा शिवमंदिर टोला निवासी अमन उर्फ बीरू राजभर (15), मालवीय नगर निवासी विवेक निषाद (15), जंगल सिकरी निवासी गगन पासवान (15) और रानीडीहा निवासी अनिकेत यादव (13) अपने साथी राजकरन उर्फ टाइमपास के साथ बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे साइकिल से मिर्जापुर घाट पहुंचे थे। पांचों किशोर पीपा पुल के पास राप्ती नदी में नहाने लगे। इसी दौरान चार गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे, जबकि राजकरन किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकल आया।

देवरिया में निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स की दीवार ढही, दो मजदूरों की मौत

देवरिया(आरएनएस)। शहर के तहसील रोड पर नगर पालिका कार्यालय के बगल में निर्माणाधीन कॉप्लेक्स की दीवार शुक्रवार की दोपहर ढह गई। मलबे में दबकर करीब आधा दर्जन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जबकि दो मजदूरों की मृत्यु की सूचना सामने आ रही है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग बड़ी संख्या में जुट गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल मेडिकल कालेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद ठीकेदार मौके से फरार हो गया। वहीं घटना के काफी देर बाद तक पुलिस और प्रशासन के मौके पर न पहुंचने से लोगों में नाराजगी देखी गई।

आतिशी बोली राघव चड्ढा आम नागरिकों को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दो पर ध्यान नहीं दे रहें थे

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली में विपक्ष की नेता और आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने शुक्रवार को अपने सहयोगी और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की आलोचना करते हुए कहा कि वे राष्ट्रीय संकट के दौरान आम नागरिकों को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों, जिनमें एलपीजी गैस की भारी कमी भी शामिल है, पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। आतिशी ने चड्ढा पर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन करने में हिचकिचाहट दिखाने का आरोप लगाया। एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए उन्होंने कहा कि राघव चड्ढा से मेरे कुछ सवाल हैं। आज हमारा देश एक भीषण संकट से गुजर रहा है। हमारे संविधान

को गंभीर खतरा है, पश्चिम बंगाल के चुनाव आयोग के घोर दुरुपयोग के जरिए चुनाव चुराए जा रहे हैं, फिर भी आप कोई सवाल नहीं उठा रहे हैं; आप इसके खिलाफ बोलने से क्यों डर रहे हैं? उन्होंने आगे कहा कि जब टीएमसी और अन्य विपक्षी दल चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाते हैं, तो आप उस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर देते हैं। आर्थिक चिंताओं पर बात करते हुए आतिशी ने कहा कि आज आम आदमी के सामने सबसे बड़ा संकट एलपीजी गैस की कमी है। आप एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं, इसलिए शायद आपको इन कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ता, लेकिन एक आम नागरिक अपने बच्चे के लिए खाना पकाने के लिए भी संघर्ष कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज इस देश में हर किसी को यह तय करना होगा कि वे प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़े हैं या संविधान और हमारे लोकतंत्र के साथ।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नई दिल्ली में अपने आवास पर भारत की जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत अपनी स्वयं-गणना पूरी होने के अवसर पर अधिकारियों के साथ एक तस्वीर में। भारत सरकार ने जनगणना 2027 का पहला चरण-हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना-शुरू कर दिया है, जो देश के सबसे बडे प्रशासनिक और सांख्यिकीय अभ्यास की शुरुआत का प्रतीक है।

कांग्रेस सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठ की अनुमति दी : नितिन नवीन

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को मतदाताओं से असम विधानसभा चुनाव में वोट डालते समय कांग्रेस के पिछले कार्यकाल को ध्यान में रखने का आग्रह किया। भाजपा उम्मीदवार दिगंता कलिता के समर्थन में कमालपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नबीन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने घुसपैठियों के हित में काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठ की अनुमति दी और उसके कार्यकाल में महिलाएं और जमीनें असुरक्षित थीं। हालांकि, पिछले दस साल असम के विकास का दौर रहे हैं और मतदाताओं को मतदान करते समय पहले के दौर को याद रखना चाहिए। नितिन नवीन ने आगे विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटेगा। नवीन ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों के लिए दरवाजे खोल दिए थे। उनके शासनकाल में महिलाएं और जमीन सुरक्षित नहीं थीं। उन्होंने दावा किया कि असम के लोगों की चुनी हुई भाजपा सरकार ने घुसपैठियों को बाहर का रास्ता दिखाया और सिलसिलेवार तरीके से विकास कार्य शुरू किए। उन्होंने कहा कि असम में पिछले 10 साल विकास के रहे हैं। जब आप वोट देने जाएं, तो उससे पहले के दौर को जरूर याद रखें।

अमृतसर में आप सरपंच पर बीच सड़क पर फायरिंग, हमलावरों ने घेरी गाड़ी; सरेआम चलाई गोलियां

अमृतसर,(आरएनएस)। पंजाब के अमृतसर जिले के जंडियाला गुरु इलाके में दिनदहाड़े फायरिंग की सनसनीखेज घटना सामने आई है। अज्ञात हमलावरों ने एक इनोवा कार को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। कार में कुल 5 लोग सवार थे, जिनमें गांव का सरपंच भी शामिल था, जो आम आदमी पार्टी से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना वेरोवाल रोड पर उस समय हुई जब गांव तिमोवाल के सरपंच सुखदेव सिंह अपनी पत्नी रविंदर कौर और अन्य लोगों के साथ ब्लॉक दफ्तर से लौट रहे थे। तभी 4 मोटरसाइकिलों पर सवार करीब 7 हमलावरों ने चलती गाड़ी को घेरकर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे

तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। हमले के दौरान कार के शीशे टूट गए और गाड़ी पर कई जगह गोलियों के निशान मिले हैं। मौके से पुलिस ने गोलियों के करीब चार खोल बरामद किए हैं। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। सरपंच सुखदेव सिंह ने आरोप लगाया है कि यह हमला पुरानी रंजिश और स्थानीय राजनीति का नतीजा है। उन्होंने कुछ संदिग्ध लोगों के नाम भी लिए हैं और दावा किया है कि असामाजिक तत्वों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी गई है। डीएसपी समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया। सरपंच ने बताया कि उन्होंने एसएसपी से बात की है, जिन्होंने सुरक्षा बढ़ाने का आश्वासन दिया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है और जल्द गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

जैक ने एक्ट्रेस हुमा कुरैशी को बताया शानदार कलाकार

मुंबई (ए.)। भारतीय अभिनेत्री हुमा कुरैशी की हॉलीवुड के मशहूर निर्देशक जैक स्नाइडर ने खुलकर तारीफ की है। हुमा को उन्होंने अपनी फिल्म आर्मी ऑफ डेड में काम करने वाले सबसे शानदार कलाकारों में से एक बताया। हाल ही में जैक स्नाइडर ने इंस्टाग्राम पर हुमा की एक तस्वीर साझा करते हुए उनकी प्रतिभा, स्क्रीन प्रेजेंस और दमदार अभिनय की सराहना की। अपने पोस्ट में स्नाइडर ने लिखा कि हुमा कुरैशी उन बेहतरीन

अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिनके साथ उन्हें काम करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि हुमा में जबरदस्त टैलेंट के साथ एक खास स्क्रीन प्रेजेंस और चमक है, जो उन्हें अलग बनाती है। इस पोस्ट के सामने आते ही मनोरंजन जगत के कई कलाकारों ने भी प्रतिक्रिया दी।

खुद हुमा कुरैशी ने कमेंट करते हुए आभार जताया, जबकि फराह खान ने भी इस पर खुशी जाहिर की। 'आर्मी ऑफ द डेड' एक जॉम्बी-थीम पर आधारित एक्शन फिल्म है, जिसकी कहानी लास वेगास में फैले खौफनाक हालात के बीच एक समूह द्वारा कसीनो में डकैती की योजना पर केंद्रित है। यह फिल्म स्नाइडर के उसी आइडिया से प्रेरित है, जिसे उन्होंने अपनी 2004 की फिल्म डॉन ऑफ डेड के बाद विकसित किया था। फिल्म में कई अंतरराष्ट्रीय सितारे नजर आए थे, जिनमें डेव बॉतिस्ता, एला पर्नेल, ओमारी हार्डविक, एना डे ला रेग्वेरा, थियो रॉसी और अन्य कलाकार शामिल हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो हुमा कुरैशी जल्द ही फिल्म टाक्सिक- ए फेयरी टेल फार ग्रोन-यूपीएस में दिखाई देंगी। यह एक गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। फिल्म में यश मुख्य भूमिका में हैं और उन्होंने इसकी कहानी भी लिखी है। इसके अलावा नयनतारा, कियारा आडवानी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया भी अहम किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज पहले 19 मार्च 2026 को तय की गई थी, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया। अब यह फिल्म 4 जून 2026 को वैश्विक स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

'धुरंधर 2' के यूट्यूब पर लीक होने को लेकर फैंस में नाराजगी

मुंबई (ए.)। फिल्म 'धुरंधर 2' दुनियाभर में 1300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। इसी बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई, जब इसका लो-क्वालिटी पाइरेटेड वर्जन यूट्यूब पर लीक हो गया। इस घटना ने फिल्म प्रेमियों के बीच हलचल मचा दी और सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, एक यूट्यूब चैनल ने करीब 3 घंटे 49 मिनट लंबी पूरी फिल्म को अवैध रूप से अपलोड कर दिया था। इससे फिल्म के थिएटर रन और बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही थी। जैसे ही यह जानकारी सामने आई, दर्शकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर निर्देशक आदित्य धर को टैग करते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। कई यूजर्स ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की और इसे फिल्म इंडस्ट्री के लिए नुकसानदायक बताया।

एक यूजर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा कि फिल्म यूट्यूब पर लीक हो चुकी है और इस पर तुरंत शिकायत दर्ज कराई जानी चाहिए। उसने फिल्म की तारीफ करते हुए कहा कि इसकी

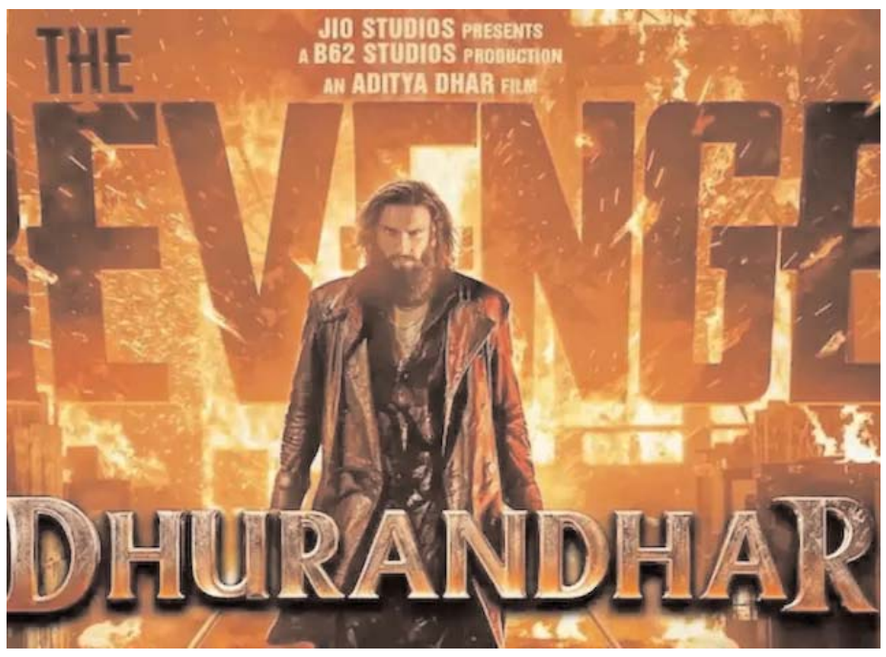

सिनेमैटोग्राफी और कहानी बेहद प्रभावशाली है और वह चाहता है कि यह फिल्म 3000 करोड़ रुपये तक का कारोबार करे। सोशल मीडिया पर तेजी से बढ़ती शिकायतों के बाद संबंधित वीडियो को यूट्यूब से हटा दिया गया। मालूम हो कि इसका पहला भाग भी बिना ज्यादा प्रचार के शानदार सफलता हासिल कर चुका था, जिसने दर्शकों के बीच फिल्म की मजबूत पकड़ बनाई। फिल्म की स्टारकास्ट भी इसकी सफलता में अहम भूमिका निभा रही है।

अर्जुन रामपाल मेजर इकबाल के किरदार में नजर आ रहे हैं, जबकि संजय दत्त एसपी चौधरी असलम की भूमिका निभा रहे हैं। आर माधवन अजय सान्याल के रूप में दिखाई देते हैं और राकेश बेदी जमीला जमाली के किरदार में नजर आते हैं। नई और अनुभवी कलाकारों का यह संयोजन फिल्म को और भी प्रभावशाली बनाता है। बता दें कि 'धुरंधर 2' ने रिलीज के पहले दिन से ही शानदार प्रदर्शन किया है। 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले ही दिन 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर इतिहास रच दिया था।

'भूत बंगला' का 'भूल भुलैया' से कोई संबंध नहीं : प्रियदर्शन

मुंबई (ए.)। अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों पर अब विराम लग गया है। निर्देशक ने सभी कयासों को सिरे से खारिज कर दिया है। प्रियदर्शन ने स्पष्ट किया कि 'भूत बंगला' और 'भूल भुलैया' के बीच किसी भी तरह का कोई संबंध नहीं है। एक बातचीत में उन्होंने कहा कि दोनों फिल्मों का विषय और प्रस्तुति पूरी तरह अलग है। उनके मुताबिक, 'भूल भुलैया' जहां एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर थी, वहीं 'भूत बंगला' एक फैंटेसी आधारित फिल्म है, जिसमें भूत-प्रेत से जुड़े विश्वासों को एक नए नजरिए से दिखाने की कोशिश की गई है। निर्देशक ने यह भी बताया कि इस फिल्म में उन्होंने पारंपरिक मान्यताओं के साथ-साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी जोड़ा है। कहानी में क्वांटम फिजिक्स जैसे सिद्धांतों का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें चेतना के एक शरीर से दूसरे शरीर में स्थानांतरण जैसी अवधारणाओं को दर्शाया गया है। उनका मानना है कि यही पहलू फिल्म को अलग और ताजगी भरा बनाता है, इसलिए इसे 'भूल भुलैया' से जोड़ना उचित नहीं है। गौरतलब है कि 'भूल भुलैया' फ्रेंचाइजी के अब तक दो सीक्वल रिलीज हो चुके हैं, जिनमें कार्तिक आर्यन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इन फिल्मों का निर्देशन अनीस ब'मी ने किया था और दोनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया।

हालांकि, इन सीक्वल्स में न तो प्रियदर्शन जुड़े थे और न ही अक्षय कुमार का हिस्सा रहे। अब 'भूत बंगला' के जरिए प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की जोड़ी एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। फिल्म में परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू, वामिका गब्बी, जिशु सेनगुप्ता, मनोज जोशी, मिथिला पालकर, असरानी और राजेश शर्मा जैसे कलाकार नजर आएंगे। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है, जिसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह बना हुआ है। बता दें कि फिल्म का टीजर सामने आने के बाद यह चर्चा तेज हो गई थी कि क्या यह भूल भुलैया का सीक्वल या उससे जुड़ी कहानी है। खासकर अक्षय कुमार की मौजूदगी और पुराने हवेली जैसे सेटअप को देखकर फैंस इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे थे।

फिल्मों में असली एक्शन को प्राथमिकता देना चाहते हैं अक्षय

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार एक लंबे समय बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म 'भूत बंगला' में वापसी कर रहे हैं, जिसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। हाल ही में अक्षय कुमार ने फिल्मों में बढ़ते वीएफएक्स और एआई के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए साफ कहा कि वे अपनी फिल्मों में असली एक्शन को प्राथमिकता देना चाहते हैं।

अक्षय कुमार ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री का दौर लगातार बदल रहा है, लेकिन एक्शन फिल्मों का मौजूदा ट्रेंड उन्हें संतुष्ट नहीं करता। उनके मुताबिक, आजकल फिल्मों में वीएफएक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अत्यधिक उपयोग हो रहा है, जिससे एक्शन दृश्य नकली लगने लगे हैं। उन्होंने कहा कि वे ऐसे एक्शन में विश्वास रखते हैं, जिसे दर्शक सिर्फ देख ही नहीं, बल्कि महसूस भी कर सकें। अभिनेता ने स्पष्ट किया कि वह अपने स्टंट खुद करना पसंद करते हैं और तकनीक के सहारे बनाए गए एक्शन से दूरी बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "अगर मैं कूद रहा हूं तो सच में कूदता हूं, अगर किक मार रहा हूं तो वह असली होती है, न कि कंप्यूटर के जरिए बनाई गई।" उनका मानना है कि एक्शन फिल्मों में वास्तविकता का होना जरूरी है, ताकि दर्शकों को स्क्रीन पर दिखाया जा रहा अनुभव सच्चा लगे।

अक्षय कुमार ने अपने विचार को समझाने के लिए एक दिलचस्प तुलना भी की। उन्होंने कहा कि असली एक्शन वैसा होता है जैसे हाथ से बनाई गई पेंटिंग, जिसमें खामियां होने के बावजूद एक जीवंतता और आत्मा होती है। इसके विपरीत, वीएफएक्स से तैयार किए गए दृश्य डिजिटल प्रिंट की तरह होते हैं, जो देखने में भले ही परफेक्ट लगें, लेकिन उनमें वह वास्तविकता और भावनात्मक जुड़ाव नहीं होता। गौरतलब है कि अक्षय कुमार ने अपने करियर की शुरुआत एक्शन फिल्मों से की थी और लंबे समय तक वे अपने स्टंट खुद करने के लिए जाने जाते रहे हैं।

ममूटी-मोहनलाल की फिल्म पैट्रियट तय तारीख से आगे खिसकी, अब 1 मई को होगी रिलीज

साल 2008 में आई फिल्म ट्वेंटी:20 के बाद, मलयालम सिनेमा के 2 दिग्गज, ममूटी और मोहनलाल फिल्म पैट्रियट के जरिए 18 साल बाद वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म पहले 23 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे आगे खिसका दिया गया है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक ऐलान के साथ फिल्म की नई रिलीज तारीख बताई है। इससे पहले, एक आधिकारिक बयान के जरिए फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव होने की पुष्टि की गई थी। मोहनलाल ने पैट्रियट से नया पोस्टर जारी करते हुए बताया है कि फिल्म अब 1 मई को दुनियाभर में रिलीज होगी।

क्या सीता के किरदार के लिए साई पल्लवी हैं बेस्ट च्वाइस? रणबीर ने यश के स्टारडम को लेकर कही यह बात

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' फिल्म का टीजर हाल ही में लॉस एंजिल्स में एक खास स्क्रीनिंग के दौरान जारी किया गया। इस कार्यक्रम में रणबीर कपूर ने मीडिया और प्रशंसकों से बात की। रणबीर इस फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं। इस दौरान रणबीर ने फिल्म में सीता का किरदार निभा रहीं साई पल्लवी और रावण के किरदार में यश के बारे में खुलकर बात की।

साई को लेकर रणबीर की राय

रणबीर कपूर ने बताया कि सीता का किरदार साई पल्लवी को देने का फैसला बिल्कुल सही था। उन्होंने कहा, 'जिस दिन मैंने साई पल्लवी को सीता के रूप में देखा, मुझे और नितेश सर को तुरंत समझ आ गया कि उनसे बेहतर कोई और इस भूमिका के लिए नहीं हो सकता। साई बहुत प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं।'

यश को लेकर रणबीर की राय

इस दौरान रणबीर ने रावण के किरदार में यश को लेकर भी अपनी राय पेश की। रणबीर ने कहा कि यश में स्टारडम है और रावण जैसे शक्तिशाली किरदार के लिए उनकी दमदार व्यक्तित्व और स्क्रीन पर मौजूदगी बिल्कुल सही है।

'रामायण' का टीजर

टीजर में सीता के रूप में साई पल्लवी की सिर्फ धुंधली झलक दिखाई गई है, जबकि रावण के पुष्पक विमान का शानदार सीन दिखाया गया है, जिसमें यश विमान की तरफ बढ़ते दिख रहे हैं। राम का पहला लुक पहले ही जारी हो चुका है, जिसे देखकर प्रशंसक बहुत उत्साहित हैं। यह टीजर भारत में 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के मौके पर लॉन्च जारी किया गया था। इससे एक दिन पहले ही रणबीर लॉस एंजिल्स में फिल्म 'रामायण' की खास स्क्रीनिंग में शामिल हुए थे।

फिल्म 'रामायण' के बारे में

'रामायण' फिल्म को आईमैक्स फॉर्मेट में बनाया गया है और इसे दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। फिल्म दो भाग में रिलीज होगी। 'रामायण' का पहला भाग दिवाली 2026 में और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होगा। इसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी दिओल, रवि दुबे और यश ने अभिनय किया है। फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा हैं और 'रामायण' का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है।

खुशी कपूर ने बहन जान्हवी के रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया को दी जन्मदिन की बधाई, बताया उन्हें पसंदीदा इंसान

खुशी कपूर ने आज 3 अप्रैल को अपनी बहन जान्हवी कपूर के रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया को जन्मदिन की खास शुभकामनाएं दी हैं। खुशी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शिखर के लिए एक खास मैसेज भी लिखा है।

खुशी का पोस्ट

खुशी कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी और शिखर की एक प्यारी तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में खुशी और शिखर एक-दूसरे को प्यार से गले लगाए हुए हैं। यह फोटो पोलरॉइड स्टाइल में है, जो क्लिपबोर्ड पर चिपका हुआ लग रहा है। तस्वीर के साथ लिखा है, 'मेरे पसंदीदा इंसान को जन्मदिन मुबारक हो, आई लव यू।'

जान्हवी और शिखर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जान्हवी कपूर पिछले कुछ साल से शिखर पहाड़िया के साथ रिलेशनशिप में हैं। हालांकि, दोनों ने अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन दोनों अक्सर पब्लिकली साथ नजर आते हैं। इसके साथ ही उनकी कई तस्वीरें और वीडियो भी उनके करीबी रिश्ते की ओर इशारा करते हैं।

कैसी है चारों की दोस्ती

खुशी कपूर ने 2023 में फिल्म 'द आर्चीज' से अपने करियर की शुरुआत की। वह दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की छोटी बेटी हैं। बाद में वे फिल्म 'नादानियां' में इब्राहिम अली खान के साथ नजर आईं। जान्हवी कपूर 'धड़क', 'गुंजन सक्सेना', 'मिली', 'बावाल' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। शिखर, वीर पहाड़िया के भाई हैं और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुशील कुमार शिंदे के पोते हैं। खुशी, जान्हवी और शिखर तीनों को अक्सर एक साथ समय बिताते हुए देखा जा चुका है। ये चारों काफी अच्छे दोस्त हैं।

सुबह सही तो सब सही, सामंथा रुथ प्रभु ने शेयर किया अपना पावर मॉर्निंग रूटीन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग फिटनेस, स्किन और मानसिक शांति के लिए कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन अक्सर छोटी-छोटी आदतों को नजरअंदाज कर देते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी पावर मॉर्निंग रूटीन साझा की है। उन्होंने बताया कि कैसे सही तरीके से दिन की शुरुआत करने से न सिर्फ शरीर बल्कि दिमाग पर भी सकारात्मक असर पड़ता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत पकड़ बनाने के लिए तैयार 'दृश्यम'

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड स्टार अजय देवगन की सुपरहिट फिल्म दृश्यम अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पकड़ बनाने के लिए तैयार है। फिल्म की कहानी अब स्पैनिश भाषा में नए रूप में पेश की जाएगी। हाल ही में प्रोजेक्ट को लेकर मेकर्स ने पुष्टि की है कि फिल्म का स्पैनिश रीमेक जल्द ही फ्लोर पर जाएगा।

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के इंटरनेशनल रीमेक राइट्स खरीदने के बाद से ही इसे विदेशी दर्शकों तक पहुंचाने की योजना बनाई जा रही थी। अब इस दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रोड्यूसर रोड्रिगो एस्पिनेल ने खुलासा किया है कि फिल्म की शूटिंग इसी साल जून से शुरू होगी। दिल्ली में आयोजित एक इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान उन्होंने इस प्रोजेक्ट की पुष्टि करते हुए बताया कि तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्रोड्यूसर का कहना है कि 'दृश्यम' की कहानी बेहद दमदार और सार्वभौमिक भावनाओं से जुड़ी है, जिसे किसी भी संस्कृति में आसानी से ढाला जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्पेन के दर्शकों के स्वाद और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए फिल्म की स्क्रिप्ट को अनुकूलित किया जा रहा है। इसके लिए स्पेन के प्रमुख कलाकारों और एक बड़े निर्देशक को भी साइन किया जा चुका है, जिससे इस रीमेक को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। फिल्म की मूल कहानी एक ऐसे पिता के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करता है, जबकि दूसरी ओर एक मां अपने लापता बेटे की तलाश में है।

यह भावनात्मक संघर्ष और पारिवारिक जुड़ाव की कहानी दुनिया भर के दर्शकों को सहज रूप से जोड़ने की क्षमता रखती है। यही कारण है कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करना अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है। गौरतलब है कि 'दृश्यम' का मूल संस्करण मलयालम सिनेमा से शुरू हुआ था, जिसमें मोहनलाल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद हिंदी रीमेक में अजय देवगन के साथ तब्बू नजर आईं और दोनों भागों को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला। अब इस फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग भी निर्माणाधीन है, जिसमें अजय देवगन एक बार फिर विजय सलगांवकर के अपने चर्चित किरदार में दिखाई देंगे।

अजिंक्य रहाणे आईपीएल में 200 मैच खेलने वाले 11वें खिलाड़ी बने, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली,(ए.) । अनुभवी बल्लेबाजी अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उपलब्धि हासिल की है। दरअसल, वह इस लीग में 200 मैच खेलने वाले खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने ईडन गार्डन स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करते हुए यह मुकाम हासिल किया। रहाणे उन गिने-चुने मौजूदा खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने आईपीएल का पहला सीजन खेला था। वह आईपीएल इतिहास में 5,000 से अधिक रन बना चुके हैं।

रहाणे ने आईपीएल के पहले संस्करण में मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने अपने 200 आईपीएल मैच खेलने तक कुल 6 टीमों से हिस्सा लिया है। उनसे पहले महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा, विराट कोहली, दिनेश कार्तिक, रविंद्र जडेजा, शिखर धवन, आर अश्विन, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और अंबाती रायडू 200 से अधिक मैच खेल चुके हैं। धोनी 278 मैचों के रिकॉर्ड के साथ इस सूची में सबसे ऊपर हैं।

रहाणे ने आईपीएल में अब तक 200 मुकाबले खेले हैं और इसकी 184 पारियों में 30.71 की औसत और 125.43 की स्ट्राइक रेट से 5,099 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 2 शतक और 34 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 105* रन रहा है। रहाणे ने अपने आईपीएल करियर में 517 चौके और 128 छक्के भी लगाए हैं। उन्होंने अपना पहला मुकाबला साल 2008 में खेला था। आईपीएल 2025 में रहाणे कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा बने थे।

आईपीएल 2026: अंगकृष रघुवंशी ने लगाया लगातार दूसरा अर्धशतक, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली(ए.) । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 65 रन से करारी शिकस्त मिली। जीत के लिए मिले 227 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स ने सभी विकेट खोकर 161 रन बनाए। कोलकाता नाइट राइडर्स की इस हार में अंगकृष रघुवंशी का अर्धशतक देखने को मिला। यह मौजूदा सीजन में रघुवंशी का लगातार दूसरा अर्धशतक रहा। आइए उनकी पारी पर एक नजर डालते हैं।

लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स ने जब 30 रन के स्कोर पर अपना पहला विकेट खोया, तब रघुवंशी क्रीज पर आए। उन्होंने बल्लेबाजी के लिए मददगार नजर आ रही पिच पर कुछ आकर्षक शॉट लगाए। इस युवा बल्लेबाज ने 27 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उम्दा लय में नजर आ रहे

रघुवंशी 29 गेंदों में 52 रन बनाकर रन आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 2 छक्के भी लगाए।

रघुवंशी ने अपना पहला आईपीएल मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ साल 2024 में खेला था। उन्होंने अब तक 24 मुकाबले खेले हैं और इसकी 20 पारियों में 2 बार नाबाद रहते हुए 31.44 की औसत से 566 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 149.73 की रही है। उन्होंने 4 अर्धशतक जड़े हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 54 रन रहा है। टी-20 क्रिकेट में इस खिलाड़ी ने 35 पारियों में 800 से अधिक रन बनाए हैं।

नवी मुंबई में बनेगा भारत का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम, 1 लाख होगी क्षमता

मुंबई, (ए)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन नवी मुंबई में एक लाख दर्शकों की क्षमता वाला नया क्रिकेट स्टेडियम बनाने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने हाल ही में नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध निदेशक विजय सिंघल से मुलाकात की, जो इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के लिए उपयुक्त जमीन तलाशने के प्रयासों का हिस्सा हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, नाइक ने बताया कि 1 लाख क्षमता वाले स्टेडियम का विचार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रखा था। उन्होंने कहा, कुछ महीने पहले माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह विचार व्यक्त किया था कि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को एक लाख दर्शकों की क्षमता वाला स्टेडियम बनाने का प्रयास करना चाहिए। नाइक जल्द ही फडणवीस से मुलाकात करेंगे, ताकि इस परियोजना पर चर्चा कर इसे आगे बढ़ाया जा सके।नाइक ने आगे कहा कि इस क्षमता का विश्वस्तरीय स्टेडियम बनाने के लिए नवी मुंबई सबसे उपयुक्त स्थान है। नाइक ने कहा, नवी मुंबई एक उभरता हुआ और तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है, जहां बेहतरीन कनेक्टिविटी और एयरपोर्ट के नजदीक होने का फायदा है। इस क्षमता का विश्वस्तरीय स्टेडियम बनाने के लिए यह एकदम उपयुक्त स्थान है।

IPL 2026: LSG के मालिक संजीव गोयनका पर भड़के ललित मोदी, BCCI से की ये मांग

नई दिल्ली (ए)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। ललित मोदी ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका के खिलाफ विवादित टिप्पणी की है और बीसीसीआई से टीम को बैन करने की मांग की है।ललित मोदी ने एक्स पर लिखा, मैंने आपसे कहा था कि लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका पूरी तरह से लूजर और सबसे बड़ा जोकर है। मैं उसके बर्ताव से सच में शर्मिंदा हूं। मैंने आईपीएल को फैंस और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था, न कि हर बार, हर साल ऐसा होने के लिए।उन्होंने लिखा, अगर मैं अभी भी चेयरमैन और कमिश्नर होता, तो मैं उसे तुरंत बैन कर देता और टीम की ओनरशिप हमेशा के लिए छीन लेता। वह पूरी तरह से घमंडी जोकर है। इसी मुद्दे के लिए फ्रेंचाइजी अनुबंध में एक क्लॉज है। बीसीसीआई इसे लागू करे—ईमानदारी सबसे ऊपर रहे। सत्ता में बैठे लोगों की चापलूसी करना उसे बचने का तरीका नहीं है। फैंस और खिलाड़ी दोनों इसे याद रखेंगे। दरअसल, एलएसजी और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच 1 अप्रैल को इकाना स्टेडियम में हुए मैच में एलएसजी को हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद संजीव गोयनका को पंत के साथ बातचीत करते हुए देखा गया था। इस घटना को फैंस और आलोचक गोयनका और केएल राहुल के बीच आईपीएल 2024 में हुई घटना से जोड़ कर देख रहे हैं। गोयनका को सोशल मीडिया पर संजीव गोयनका से जुड़े मीम्स वायरल हो रहे हैं।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा था कि टूर्नामेंट में एक गेम हुआ है। इसकी कोई जरूरत नहीं है। हालांकि ऋषभ पंत और संजीव गोयनका के बीच क्या बात हुई, यह स्पष्ट नहीं है।एलएसजी ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए संजीव गोयनका और ऋषभ पंत के बीच सबकुछ ठीक होने का स्पष्टीकरण दिया था। वीडियो के कैप्शन में लिखा था कि आप जो कुछ भी देख रहे हैं वह सच नहीं है। यहां मैच के बाद की अनफिल्टर्ड वाइब्स हैं, जब कैमरे कट नहीं करते।मैच के बाद संजीव गोयनका ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था, यह एक लंबा सीजन है, और ऐसे पल कुछ मतलब का बनाने का हिस्सा होते हैं। मुझे अपने कप्तान और टीम पर पूरा भरोसा है कि वे मजबूती से वापसी करेंगे। हमारे फैंस, इकाना में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। हम और मजबूत होकर वापस आएंगे। इस सीजन में लखनऊ की कहानी अभी लिखी नहीं गई है।

जिम्बाब्वे दौरे पर इस साल वनडे सीरीज में खेलेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, कार्यक्रम की हुई घोषणा

नईदिल्ली (ए.)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम इस साल सितंबर में वनडे सीरीज के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करने के लिए तैयार है। कार्यक्रम के मुताबिक, ये मैच 15, 18 और 20 सितंबर को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। दिलचस्प रूप से एक दशक लम्बे अंतराल के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे की धरती पर वनडे सीरीज खेलती हुई नजर आएगी। ऐसे में यह जिम्बाब्वे क्रिकेट के लिए अच्छी खबर है।

यह 8 साल के अंतराल के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे की धरती पर अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलेगी। जिम्बाब्वे में ऑस्ट्रेलिया का आखिरी वनडे मुकाबला 2014 में हुआ था, जबकि उन्होंने 2018 में पाकिस्तान के खिलाफ एक त्रिकोणीय टी-20 सीरीज खेली थी। ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे हाल ही में फरवरी में 2026 में टी-20 विश्व कप में आमने-सामने हुई थीं, जिसमें जिम्बाब्वे ने कोलंबो में कंगारू टीम को 23 रनों से हराया था।

जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर, गिवमोर माकोनी ने ऑस्ट्रेलिया के जिम्बाब्वे लौटने पर अपनी खुशी जाहिर की। इसको लेकर उन्होंने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह एक बहुत ही रोमांचक वनडे सीरीज होने वाली है। माकोनी ने आगामी वनडे विश्व कप 2027 की तैयारी के लिए इस तरह के बड़े मैचों के महत्व पर जोर दिया।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

शाम 07:30 बजे से शुरू होगा मैच

अहमदाबाद (ए)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार शाम को गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेंगी। गुजरात की कप्तानी जहां शुभमन गिल के पास है। वहीं रॉयल्स की कमान युवा रियान पराग संभालेंगे। इस सत्र में गुजरान की टीम को जहां अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं रॉयल्स ने अपना पहले ही मैच जीता था। ऐसे में जहां गुजरात सत्र की पहले जीत दर्ज करने उतरेगी। वहीं राजस्थान अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सीजन दो मुकाबले हुए थे जिसमें से एक गुजरात ने जबकि एक राजस्थान ने जीता था। इनके बीच अंतिम मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया था जिसमें राजस्थान रॉयल्स की टीम ने जीत हासिल की थी।

वहीं यहां के मैदान की बात करें तो इसपर बड़े स्कोर बनते हैं और पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम लाभ में रहती है। यहां पिछले पांच में से

तीन मुकाबले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों ने अबतक कुल 8 मैच खेले हैं। जिसमें से गुजरात टाइटंस ने 6 जबकि राजस्थान ने 2 मैच जीते हैं।

गुजरात टाइटंस की बात करें तो टीम की बल्लेबजा कप्तान शुभमन के अलावा साईं सुदर्शन, जोस बटलर राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों पर निर्भर करेगी।

वहीं गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खान, कगिसो रबाडा के पास रहेगी। टीम के पास वाशिंग्टन सुंदर जैसा ऑलराउंडर भी है। वहीं अगर राजस्थान रॉयल्स टीम की बात करें तो उसके पास कप्तान रियान के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के पास रहेगी। वैभव ने पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी की थी और ये सिलसिला वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जोफा आर्चर संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

गुजरात टाइटंस = शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

राजस्थान रॉयल्स = रयान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफा आर्चर, नंद्रे बर्गर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, बृजेश शर्मा।

विदेश समाचार

डोनाल्ड ट्रंप की नई धमकी, अब ईरान के पुलों और बिजली संयंत्रों को निशाना बनाया जाएगा

वाशिंगटन,(आरएनएस) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में ईरान पर 2 से 3 हफ्तों में हमले तेज करने की चेतावनी के बाद शुक्रवार को नई धमकी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ईरान को धमकी देते हुए कहा कि ईरान में अब पुलों और बिजली संयंत्रों को निशाना बनाया जाएगा। उन्होंने लिखा कि ईरान के नए शासन को पता है कि उन्हें क्या काम करना है।

ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा, दुनिया की सबसे महान, सबसे शक्तिशाली और अब तक की सबसे ज़्यादा सैनिकों वाली हमारी सेना ने तो ईरान में जो कुछ बचा है, उसे तबाह करना अभी शुरू भी नहीं किया है। अब बारी है पुलों की, और उसके बाद बिजली संयंत्रों की! नए शासन के नेतृत्व को पता है कि क्या करना है, और यह काम तेज़ी से करना है! नई चेतावनी से ट्रंप जल्द से जल्द समझौते का दबाव बना रहे हैं।

ट्रंप ने अपने संबोधन में संकेत दिया था कि युद्ध अब समाप्ति की ओर है और ईरान कोई समझौता नहीं करत तो हमले तेज होंगे। इससे पहले अमेरिका और इजरायल ने हमले में ईरान में पश्चिम एशिया के सबसे ऊंचे प्रतिष्ठित बी1 पुल को नष्ट कर दिया था, जिसका वीडियो ट्रंप ने साझा किया था। यह निर्माणाधीन पुल तेहरान को पश्चिमी शहर कराज से जोड़ने वाला था, जो 1,050 मीटर लंबा और 136 मीटर ऊंचे स्तंभ पर बना था।

ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी को बर्खास्त किया, क्या एपस्टीन फाइल्स बना कारण?

वाशिंगटन(आरएनएस),। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिमी एशिया में संघर्ष के बीच पाम बोंडी को अटॉर्नी जनरल के पद से गुरुवार को बर्खास्त कर दिया। ट्रंप ने उनकी जगह उप-अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच को कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्यभार सौंपा है। ट्रंप एजेंडे की मुखर समर्थक रहीं बोंडी की बर्खास्तगी को लेकर कई संभावित कारण सामने आए हैं, जिसमें आंतरिक तनाव, राजनीतिक दबाव और हाई-प्रोफाइल मुद्दों पर असहमति प्रमुख है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन इस पर चुप है।

ट्रंप ने ट्रुथ पर बोंडी को वफादार दोस्त बताते हुए लिखा कि उन्होंने पिछले एक साल से निष्ठा से सेवा की और अपराधों पर नकेल कसी, जिससे हत्याओं की दर 1990 के बाद अब तक के निचले स्तर पर है। ट्रंप ने लिखा कि बोंडी अब निजी क्षेत्र में एक बेहद जरूरी और अहम नई जिम्मेदारी संभालने जा रही हैं, जिसकी घोषणा जल्द ही किसी तारीख को की जाएगी। इसी पोस्ट में ट्रंप ने ब्लैंच की नियुक्ति की घोषणा की।

रिपोर्ट के मुताबिक, बोंडी के कार्यकाल में सबसे बड़ी चुनौती यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़ी फाइलों को लेकर था, जिसे संभालने के तरीके से ट्रंप नाराज थे। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप मामले में उनके राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ पर्याप्त जांच या मुकदमा न चलाने के कारण बोंडी से खफा थे। न्याय विभाग में संबंधित दस्तावेजों और निर्णयों के प्रबंधन को लेकर सवाल उठाए गए, जिससे बॉन्डी पर दबाव बढ़ता चला गया।रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के करीबियों का मानना था कि इस मामले पर बोंडी के बयानों ने इस धारणा को बल दिया कि ट्रंप प्रशासन अनुचित रूप से जनता की नजरों से सामग्री छिपा रहा था। बोंडी ने फरवरी में कहा था कि एपस्टीन के ग्राहकों की सूची समीक्षा के लिए उनकी मेज पर है, जबकि बाद में न्याय विभाग ने कहा कि ऐसी कोई सूची नहीं है। बोंडी ने भी बाद में अपना बयान सुधारा था।रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप का बोंडी पर विश्वास कम हो रहा था और वे पर्दे के पीछे कई हफ्तों से सलाहकारों से निजी तौर पर बोंडी को लेकर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने संकेत दिया था कि बोंडी का कार्यकाल लंबा नहीं है। रिपब्लिकन पार्टी, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन समर्थकों और उनके सहयोगियों से बोंडी को प्रमुख कानूनी और राजनीतिक मामलों को संभालने के तरीके पर असंतोष झेलना पड़ रहा था।

अमेरिका ने दवाओं पर लगाया 100 प्रतिशत टैरिफ, स्टील-एल्यूमिनियम आयात के नियम भी सख्त किए

वाशिंगटन(ए.)। ईरान युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक और विवादित कदम उठाया है। उन्होंने अमेरिका में आयातित ब्रांडेड दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने स्टील और एल्यूमिनियम जैसी धातुओं के आयात से जुड़े नियम भी सख्त कर दिए हैं। ट्रंप ने इन दोनों फैसलों से जुड़े कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। भारत समेत कई देशों पर इनका असर होगा।

नए आदेश के तहत, 31 जुलाई, 2026 से अमेरिका में आयात होने वाली पेटेंटेड ब्रांडेड दवाओं पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जाएगा। ये टैरिफ उन दवाओं पर लगेगा, जो अमेरिका में नहीं बनती हैं और इन्हें बनाने वाली कंपनियों का अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं है। इसका उद्देश्य अमेरिका में दवाओं की आसमान छूती कीमतों को कम करना और देश के भीतर ही दवा उत्पादन को बढ़ावा देना है।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि टैरिफ से बचने के लिए कंपनियों को दवाओं का उत्पादन अमेरिका में करना होगा या सरकार के साथ खास समझौता करना होगा।

ईरान जंग में शांतिदूत बनने चले पाकिस्तान पर भड़का UAE, रातों-रात 2 अरब डॉलर का कर्ज लौटाने का दे डाला अल्टीमेटम

इस्लामाबाद (ए.)। आर्थिक बदहाली से जूझ रहे और हमेशा कर्ज के सहारे चलने वाले पाकिस्तान को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने एक ऐसा तगड़ा झटका दिया है, जिससे उसकी रातों की नींद उड़ गई है। दुनिया भर में कर्ज का कटोरा लेकर घूमने वाला पाकिस्तान इन दिनों मध्य पूर्व में शांतिदूत बनने की कोशिश कर रहा है और चाहता है कि ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रही जंग जल्द से जल्द रुक जाए। लेकिन पाकिस्तान की यह कूटनीतिक चाल UAE को बिल्कुल रास नहीं आ रही है। ईरान पर ट्रंप प्रशासन के कड़े एक्शन का समर्थन कर रहे UAE ने पाकिस्तान पर दबाव बनाते हुए अपना दो बिलियन डॉलर का पुराना कर्ज तुरंत वापस मांग लिया है। UAE ने पाकिस्तान को सख्त अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि वह 17 अप्रैल तक पूरी रकम हर हाल में चुका दे।दरअसल, 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद से ही मध्य पूर्व जंग की आग में जल रहा है। हिजबुल्लाह और हूती जैसे गुट भी इस जंग में पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। एक तरफ जहां पाकिस्तान शांति के लिए मिस्र और तुर्की जैसे देशों के साथ बातचीत की कोशिश कर रहा है, वहीं UAE का साफ मानना है कि ईरान की 'दादागिरी' खत्म करने के लिए ट्रंप प्रशासन के बड़े हमले जारी रहने चाहिए। पाकिस्तान के इस शांति राग से खफा होकर UAE ने अपना पैसा वापस मांगा है। बता दें कि साल 2018 में UAE ने पाकिस्तान को दो बिलियन डॉलर का लोन दिया था। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के अनुसार, UAE ने इस कर्ज पर ब्याज दर को 3 फीसदी से बढ़ाकर सीधा 6.5 फीसदी कर दिया था और अब ईरान जंग के बीच इसे तुरंत लौटाने का भारी आर्थिक दबाव बना दिया है।

शांति का ठेका लेने में फेल हुआ पाक, पुतिन ने मारी एंट्री

अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कराने का जो सपना पाकिस्तान

देख रहा था, वह अब पूरी तरह से टूटता नजर आ रहा है। सीजफायर कराने की कोशिशों में पाकिस्तान के बुरी तरह फेल होने के बाद अब इस हाई-प्रोफाइल मामले में रूस ने जोरदार एंट्री मार ली है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खुद इस शांति समझौते की कमान अपने हाथों में ले ली है। पुतिन के प्रेस सचिव दमित्री पेस्कोव ने स्पष्ट कर दिया है कि मध्य पूर्व में शांति स्थापित करने के लिए रूस हर संभव कदम उठाएगा। खुद राष्ट्रपति पुतिन एक्टिव मोड में आ गए हैं और इस सीजफायर प्लान पर तेजी से काम कर रहे हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान दरअसल अमेरिका के इशारे पर ही शांति समझौते की कोशिशों में लगा हुआ था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ने हाल ही में पाकिस्तान के मध्यस्थों से ईरान संघर्ष के बारे में खास बातचीत की थी। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त निर्देश पर ही जेडी वेंस ने यह संकेत दिया था कि अमेरिका सीजफायर के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए कुछ बड़ी शर्तें माननी होंगी। इन अहम शर्तों में व्यापार के लिए 'स्ट्रेट ऑफ

पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में, एक धमाके में क्षतिग्रस्त हुई इमारत के पास लोग जमा हुए। पुलिस ने बताया कि गुरुवार रात पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस थाने के पास हुए धमाके में कम से कम पांच आम नागरिक मारे गए और दो पुलिसकर्मियों सहित कई अन्य घायल हो गए।

उपार्जन से पहले गोदामों में गेहूं भंडारण के सत्यापन के लिए जांच दल गठित

02 दिन में जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश
कलेक्टर के निर्देश मिलते ही गोदामों का निरीक्षण करने पहुंचे अधिकारियों के दल

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं का उपार्जन 10 अप्रैल से प्रारंभ होगा। रबी उपार्जन वर्ष अंतर्गत अन्य जिलों में खरीदी के लिए निर्धारित गोदामों पर खरीदी प्रारंभ होने के पूर्व एवं बिना स्लॉट बुकिंग के गेहूं भंडारित करने का प्रकरण प्रकाश में आया है। इस स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर बालागुरू के. द्वारा जिले में गेहूं खरीदी के लिए निर्धारित गोदामों में इस वर्ष की खरीदी से पहले गेहूं के भण्डारण का भौतिक सत्यापन करने के लिए तहसीलवार एवं गोदामवार अधिकारियों के जांच दल गठित किए गए हैं। सभी अधिकारियों को गेहूं उपार्जन के लिए चिन्हांकित गोदामों की जांच कर 02 दिनों में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देश के पश्चात अधिकारियों के जांच दल गोदामों का निरीक्षण करने पहुंचे। जांच दलों द्वारा श्यामपुर स्थित जानकी वेयर हाउस, नीलेश वेयर हाउस कान्याखेड़ी स्थित पटेल वेयर हाउस, गिल्होर स्थित सुदामा वेयरहाउस, बड़नगर स्थित कमला वेयरहाउस, प्रतीभा श्री वेयरहाउस, बोरदी कला स्थित श्री अष्ट विनायक वेयरहाउस, पांगरखाती स्थित कमला श्री वेयरहाउस, भंवरी कला महाकाल वेयर हाउस सहित जिले अनेक वेयरहाउसों का निरीक्षण किया गया।

आष्टा में स्टॉक सत्यापन में अनियमितता पाए जाने पर गैस एजेंसी से 05 कमर्शियल गैस सिलेंडर जब्त

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में एलपीजी गैस की सुचारू आपूर्ति बनाए रखने और घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग एवं अनियमितताओं को रोकने के लिए आष्टा में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुश्री मृगी अग्रवाल ने द्वारा आष्टा के विभिन्न होटलों, रेस्टोरेंट एवं गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान विपिन गैस एजेंसी पर स्टॉक सत्यापन में अनियमितताएं होने पर 05 कमर्शियल गैस सिलेंडर जब्त किए गए और प्रकरण दर्ज किया गया। इसके साथ ही महाकाल रेस्टोरेंट से एक घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया गया।

श्रद्धा भक्ति सेवा समिति ने किया जाग्रति हनुमान मंडल का स्वागत

सीहोर (निप्र)। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम भाऊखेड़ी के युवाओं के द्वारा 2020 से अभी तक 365 से अधिक ग्रामों में भगवान श्रीराम की भक्ति के साथ हनुमान का ध्वज लेकर जाग्रति करने वाले जाग्रति हनुमान मंडल का श्रद्धा भक्ति सेवा समिति के संचालक राहुल सिंह ने स्वागत और सम्मान किया। इस मौके पर हनुमान मंडल के गायक कुमेर प्रजापति ने बताया कि हमारे मंडल ने कोरोना काल के दौरान जाग्रति हनुमान मंडल का निर्माण किया था, इसका उद्देश्य लोगों में सनातन धर्म को जोड़ने के अलावा विश्व में कोरोना जैसी महामारी फिर से न हो और सभी लोग स्वस्थ्य रहे। इसी कामना के साथ मंडल ने संकल्प लिया है। हमारा लक्ष्य है कि करीब 11 सौ से अधिक गांवों तक भगवान श्रीराम के साथ-साथ हनुमान का ध्वज पहुंचे, अब तक करीब 365 ग्रामों तक हमारे मंडल की ओर से विरेन्द्र वर्मा, जय सिंह ठाकुर, दीपक सेन और मनीष नागर पहुंच गए है। इस मौके पर श्रद्धा भक्ति सेवा समिति के संचालक श्री सिंह ने कहाकि भगवान राम और हनुमान का प्रेम अटूट समर्पण, निस्वार्थ सेवा और भक्ति का सर्वोच्च प्रतीक है, जो अमर है। हनुमान जी ने अपना पूरा जीवन राम की सेवा में समर्पित कर दिया, बदले में राम ने उन्हें अपने हृदय में स्थान दिया। वे केवल सेवक-स्वामी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं, जहां राम-कथा और सत्संग होती है, वहां हनुमान जी सूक्ष्म रूप में उपस्थित रहते हैं।

विद्यार्थियों ने लिया बुजुर्गों का आशीर्वाद

सीहोर (निप्र)। शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प वृद्धा आश्रम में संस्कार मंच की ओर से अनेक विद्यार्थियों ने आश्रम में पहुंचकर यहां पर निवासरत वृद्धजनों के साथ बातचीत की। इस मौके पर एमबीबीएस में अध्ययनरत शुभम मोगरे, हर्ष नामदेव और विष्णु सोनकर आदि शामिल थे। इस मौके पर श्रद्धा भक्ति सेवा समिति और संस्कार मंच की ओर से मनोज दीक्षित मामा ने कहाकि वृद्धों की सेवा ही सबसे बड़ा परोपकार है। आज हम बुजुर्गों को भूलते जा रहे हैं। जिंदगी में कुछ सीखना है तो बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना जरूरी है। इस मौके पर विद्यार्थियों ने यहां पर निवासरत वृद्धजनों को भोजन प्रसादी का वितरण किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पौधारोपण कर ली जल एवं प्रकृति संरक्षण की शपथ

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अनेक जल संरक्षण एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बुधनी नगर परिषद द्वारा बुधनी के अदालत कालोनी में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, नगर परिषद के कर्मचारियों, स्वयं सहायता समूह की दीदियों और नागरिकों ने पौधारोपण किया और जल एवं प्रकृति संरक्षण की शपथ ली। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत भैरूंदा नगर परिषद द्वारा जागरूकता वाहन के माध्यम से नगर के सभी वार्डों में मुनादी कराकर नागरिकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इसके साथ ही जल एवं प्रकृति संरक्षण के उद्देश्य से शासन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के बारे में जानकारी दी गई। जन अभियान परिषद एवं सुपर विजन सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा अभियान के तहत सीवन नदी पर जल संरक्षण के उद्देश्य से ध्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जाटव समाज के रामसिंह थरेले के अनायस निधन पर सेवादल कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

सीहोर (ए.)। जाटव समाज के ग्राम लसुडिया परिहार निवासी धनराज थरेले, कमल किशोर जाटव, भँवरलाल थरेले के पिता धनराज थरेले, कमल किशोर जाटव, भँवरलाल थरेले के पिता वरिष्ठ समाजसेवी रामसिंह थरेले का अनायस निधन पर उनके वर्तमान निवास डॉ.अम्बेडकर नगर गंज सीहोर में सेवादल कांग्रेस द्वारा शोकसभा का आयोजन कर पवित्रम पाठ कार्यक्रम में भगवान बुद्ध व डॉ.बाबा साहेब अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पमालाऐं अर्पित की एवं स्व.रामसिंह थरेले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभिनी श्रद्धांजलि दी गई तथा इस दुख की घड़ी में ईश्वर प्रार्थना कर मृतक आत्मा को श्री चरणों स्थान देने एवं शोकाकुल परिवार को दुख सहन करने की प्रार्थना की गई। इस अवसर पर तत्कालीन क्षेत्रीय पार्षद आरती नरेन्द्र खंगराले ने स्व.श्री रामसिंह थरेले द्वारा समाजहित में किये गये उनके उल्लेखनीय कार्यों को याद कर उनके सपनों को पुरा करते हुए उनके द्वारा बताये हुए रास्तों पर चलना है। इस अवसर पर भारी संख्या में उपस्थित जाटव समाज के महिला पुरुषों ने पवित्रम पाठ में हिस्सा लेकर सामूहिक भोजन किया गया।

रोमांचक मुकाबले ने सीहोर बाइज ने सीहोर क्लब को 1-0 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में निशुल्क फुटबाल प्रशिक्षण शिविर के साथ ही ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को दो मैच खेले गए थे। जिसमें पहला मैच सीहोर बाइज और सीहोर क्लब के मध्य खेला गया था, जिसमें सीहोर बाइज ने रोमांचक मुकाबले में क्लब को 1-0 से हराया। इसके अलावा दूसरा मैच सीहोर ग्रीन और सीहोर चिल्ड्रन के मध्य खेला गया। इसमें सीहोर चिल्ड्रन की टीम 2-1 से जीती। इस मौके पर सीनियर खिलाड़ी और मध्यप्रदेश टेंट हाउस समिति के राकेश हांडिया और एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया आदि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शनिवार को पहला मुकाबला सीहोर बाइज और क्लब के मध्य खेला गया। इसमें सीहोर बाइज की ओर से एक मात्र गोल राजेन्द्र ने किया। वहीं दूसरा मैच सीहोर ग्रीन और सीहोर चिल्ड्रन के मध्य खेला गया। इसमें सीहोर चिल्ड्रन की ओर से युवराज ने दो गोल किए। वहीं एक मात्र गोल ग्रीन की ओर से आशीष ने किया।

अहमदपुर ब्लाक कांग्रेस ने किया सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन, जलाया पुतला

गेहूं खरीदी में तारिख पर तारिख बढ़ाकर सरकार किसानों के साथ कर रही है धोखा
शादी विवाह सर पे, कहाँ से चलेगें खर्चे, सरकार है कि समय पर गेहुं खरीदने को ही तैयार ही नही-राजीव गुजराती

सीहोर (निप्र)। सरकार द्वारा गेहूं खरीदी की अंतिम तारीख बार-बार बढ़ाए जाने से अब किसानों में आक्रोष बड़ता जा रहा है। नाराज़ किसानों के समर्थन में सीहोर जिला मुख्यालय के अहमदपुर (देवीपुरा) में ब्लाक अध्यक्ष पवन गुजर के नेतृत्व एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती की विशेष उपस्थिति में कांग्रेस ने शुक्रवार को जोरदार प्रदर्शन किया। सरकार के विरूद्ध गगनभेदी नारे लगाये गये एवं सरकार का पुतला दहन किया गया। कांग्रेस कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की अव्यवस्थित नीतियों के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती ने कहा कि गेहूं खरीदी की प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता की कमी है। बार-बार तारीख बढ़ाने से किसानों को मंडियों में लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उनकी लागत और परेशानी दोनों बढ़ रही हैं। वहीं अधिकतर किसानों के यहां विवाह कार्यक्रम होने जा रहे हैं और सरकार है कि समय पर गेहूं नही खरीद रही, ऐसी स्थिति में किसान अपने बच्चों का विवाह का खर्चा कहां उठायेगा।कांग्रेस ने सरकार से मांग की कि गेहूं खरीदी की स्पष्ट और स्थायी समयसीमा तय की जाए, ताकि किसानों को अनिश्चितता का सामना न करना पड़े। साथ ही, खरीदी केंद्रों पर उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की भी मांग की गई।साथ ही श्री गुजराती ने चेतावनी भी दी है कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो कांग्रेस आंदोलन को और तेज करेगी। उन्होने आगे कहा कि किसानों के गेहूं तुलाई प्रारंभ न करना भाजपा सरकार की सबसे बड़ी विफलता और किसानों के साथ सीधा धोखा है। सरकार के किसान विरोधी रवैये, बढ़ती महँगाई, गैस सिलेंडर की किल्लत, बिजली दरों में वृद्धि एवं पेट्रोल-डीजल संकट के खिलाफ आज अहमदपुर (देवीपुरा), सीहोर में जोरदार प्रदर्शन किया गया।पवन गुजर ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह संवेदनहीन हो चुकी है—न किसानों की चिंता है और ना ही आम जनता की परेशानियों की परवाह। कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ हो रहे अन्याय बर्दाश्त नही करेगी और किसानों व आमजनों के इस संकट में कांग्रेस पार्टी किसानों व आमजनों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर सरकार के विरूद्ध सडक़ों पर उतरेगी। इस अवसर पर अफजाल पठान, वीरसिंह, दिनेश गौर, खुमानसिंह, निर्देश सरपंच, चन्द्रप्रकाश शर्मा, लकपत गुर्जर, जफर अली खान, रियाज भाई, जोधाराम गुजर, सुरेन्द्र लोधी, अरूण मेवाड़ा, नर्गीश खान, अकरम खान, राहुल गौर, लोकेश गौर, राजपाल सिंह सौलंकी, हेमंत गौर, सुनील मेहार सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

स्व.श्रीराजमल मेवाड़ा पूर्व विधायक की स्मृति में

आज से बीएसआई मैदान पर क्रिकेट का महाकुंभ का शुभारंभ

सीहोर। शहर की प्रतिभाओं को मंच देने के लिए शनिवार से बीएसआई मैदान पर सीएम स्पोटर्स और जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में आठ टीमों के मध्य जबरदस्त मुकाबले आयोजित किए जाऐंगे। इस मौके पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए सुबह साढ़े नौ बजे भाजपा के वरिष्ठ नेता लोकेन्द्र मेवाड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा और आयोजन समिति के पदाधिकारी और सीनियर खिलाड़ी शामिल रहेंगे।

इसके लिए आयोजन समिति के चेतन मेवाड़ा ने एक सीमित का गठन किया है। जिसमें जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अतुल तिवारी, कोषाध्यक्ष वीरु वर्मा, आशीष शर्मा, अतुल कुशवाहा, गौरव पिचोनिया आदि को शामिल किया गया है।

डीसीए के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शनिवार को सुबह आठ बजे लाल घाटी और सीहोर यंग स्टार के मध्य पहले मैच से स्व.श्रीराजमल मेवाड़ा पूर्व विधायक की स्मृति में कारपोरेट क्रिकेट प्रतियोगिता की शुरूआत की जाएगी। इसके अलावा दूसरा मैच रेहटी और अलअहमद क्रिकेट टीम के मध्य दोपहर एक बजे खेला जाएगा। प्रतियोगिता में आठ टीमों को शामिल किया गया है।

सामाजिक संगठनों एवं ओबीसी महासभा की संयुक्त बैठक सम्पन्न

11 अप्रैल को उत्साह के साथ मनाई जावेगी महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

सीहोर (निप्र)। सभी सामाजिक संगठनों एवं ओबीसी महासभा के संयुक्त तत्वाधान में वसुंधरा गार्डन सीहोर में ओबीसी महासभा जिलाध्यक्ष श्याम मीणा एवं अपाक्स जिलाध्यक्ष कमल कीर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि सभी संगठनों द्वारा 11 अप्रैल 2026 को संयुक्त रूप से महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती की जयंती भव्यता के साथ मनाई जावेगी। ज्योतिबा फुले के जन्मोत्सव पर चल समारोह निकालकर एवं सभा आयोजित कर महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा समाहित में किये गये उत्कृष्ट कार्यों एवं समाज के प्रति उनके संदेशों का प्रचार-प्रसार किया जावेगा व उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जावेगा।

इस अवसर पर उपस्थित जनों में प्रमुख रूप से दिनेश पुष्पद, श्याम मीणा, कमल कीर, मुकेश कुशवाह, गुलाब सिंह बागवान, रामचन्दर माली, विष्णु प्रसाद कुशवाह, जनम सिंह परमार, कमल सिंह मालवीय, सत्यनारायण बैरावल वाले, ज्ञान सिंह गुणवान, कन्हैयालाल, दयाराम सागर सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

फिश फीड मील से सफलता की उड़ान, मुस्कान सिंह और बनवारी लाल बने प्रगतिशील किसान

सीहोर (निप्र)। केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) देश में मत्स्य क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य मछली उत्पादन में वृद्धि करना, आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना, मत्स्य पालन से जुड़े लोगों की आय बढाना तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। योजना के अंतर्गत मत्स्य पालन, प्रसंस्करण, कोल्ड चेन, फिश फीड यूनिट जैसी गतिविधियों के लिए ऋण, अनुदान और तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है, जिससे किसान आत्मनिर्भर बन सकें। इसी योजना ने सीहोर जिले की ग्राम हसनाबाद निवासी महिला किसान श्रीमती मुस्कान सिंह के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर न केवल स्वयं को सशक्त बनाया, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित किए हैं।

श्रीमती मुस्कान सिंह बताती हैं कि उन्हें वर्ष 2025 के अप्रैल माह में इस योजना के अंतर्गत 01 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने एक आधुनिक फिश फीड मील की स्थापना की, जहां मछलियों के लिए उच्च गुणवत्ता का दाना तैयार किया जाता है। इस कार्य में उनके पति श्री बनवारी लाल वर्मा भी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

सीवन पुत्र उतरे सीवन नदी में,चलाया जलकुंभी निकालने का अभियान

माँ सीवन का पूर्ण उद्धार ही लक्ष्य

सीहोर (निप्र)। सीहोर की जीवन दायिनी माँ सीवन नदी जो अपने मूल रूप में आने के लिए संघर्ष कर रही है, अपने पूर्ण उद्धार का इंतजार कर रही है,जलकुंभी जैसी समस्या पूरे 12 महीने व्याप्त रहती है। सीवन माँ की पीड़ा को, उसके दर्द को देखते हुए सीवन पुत्रों ने हनुमान फाटक धाम स्थित सीवन नदी में जलकुंभी को निकालने हेतु, सुबह 10:00 बजे से सांय 6 बजे तक जलकुंभी निकालने का काम शुरू किया। सीवन नदी में से जलकुंभी निकालने वालों का स्वागत समिति के सदस्यों द्वारा श्री राम जी का गमच्छा पहना कर सम्मान किया गया।इस अवसर पर आज राष्ट्रीय टेनिस टेबल टेनिस कोच रविंद्र सिंह चौहान, समाजसेवी ताम्रकार मॉल संचालक सुमित ताम्रकार, वरिष्ठ अभिकर्ता सतीश कुमार सीठा द्वारा सीवन में जलकुंभी निकालने उतरे श्रमिकों का स्वागत किया गया । शुक्रवार को जलकुंभी निकालने के लिए जिन मजदूरों की व्यवस्था की गई थी वह समाजसेवी सुमित ताम्रकार व एलआईसी के अभिकर्ता सतीश कुमार सीठा तरफ से की गई थी ।इस अवसर पर रविंद्र सिंह चौहान द्वारा तीन मजदूरों की व्यवस्था का सहयोग दिया गया है। आज जलकुंभी अभियान में विशेष सहयोग विशेष योगदान से सीवन पुत्र मुकेश राय, प्रकाश यादव, राजकुमार सोनी,भूरा भैया, प्रदीप चावड़ा व कैलाश चव्हाण एवं टीम उपस्थित रही।सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया है कि यह अभियान लगातार सतत रूप से जारी रहेगा। साथ ही शहर वासियों से आग्रह भी किया गया है कि सीवन उत्थान के लिए आगे आए ।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com